RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 अंक : 222 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 03 अगस्त, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

अयोध्या गैंगरेप के गुनाहगार पर हुआ 'बुल्डोजर एक्शन'

सपा नेता मोइन खान के घर पर चला बुल्डोजर, बेकरी की गई सील

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या गैंगरेप के आरोपी पर सख्त एक्शन लिया है। अयोध्या में नाबालिग के साथ रेप के मामले में मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के घर पर अब बुलडोजर एक्शन हो रहा है। मोईद खान की बेकरी समेत कई संपत्तियों पर यह एक्शन हुआ है। शुक्रवार को ही राजस्व विभाग ने आरोपी की संपत्ति की पैमाइश की थी और आज फिर से राजस्व विभाग की टीम यहां पहुंची। मोईद खान पर तालाब और कब्रिस्तान के साथ कई सरकारी जमीनो पर अवैध कब्जा करने का भी आरोप है।

मोईद खान की बेकरी में बन रहे सामानों का भी सैंपल लिया गया है और बेकरी सील कर दी गई है। सहायक खाद्य आयुक्त मानिकचंद सिंह ने कार्रवाई करते हुए कहा कि आरोपी की बेकरी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है।

वहीं रेप मामले में सुलह न करने पर उसे जान से मारने की भी धमकी दी गई है। पीड़िता को यह धमकी अस्पताल में दी गई है। परिजनों को सुलह न करने पर धमकी देने के मामले में समाजवादी पार्टी नेता और नगर पंचायत भदरसा के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा और एक अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर पीड़ित बच्ची की माँ से भी मुलाकात की। पीड़ित बच्ची की माँ अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र से

अस्पताल जाकर सपा नेता ने दी धमकी

आरोप है ये सपा नेता नाबालिग रेप पीड़िता से सुलह न करने पर धमकी देने के लिए अस्पताल गए थे। एफआईआर में कहा गया है कि सपा नेता व नगर पंचायत भदरसा के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा व एक अन्य के खिलाफ कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी रात 11:00 बजे जिला महिला अस्पताल जाकर पीड़ित परिवार को सुलह करने की दी धमकी दी। पिपरी भरतकुंड निवासी रामसेवकदास ने यह मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता फिलहाल जिला महिला अस्पताल भर्ती है।

बच्ची के गर्भवती होने पर काण्ड का खुलासा

गैंगरेप की ये घटना अयोध्या के पूरा कलंदर थाना क्षेत्र की है, जहां एक नाबालिग से दुष्कर्म के बाद आरोपियों ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया फिर लंबे समय तक उसे ब्लैकमेल करके बारी-बारी रेप करते रहे। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता दो महीने की गर्भवती हो गई।

12 वर्षीय बच्ची चार बहनों में सबसे छोटी है ,पिता की दो साल पहले ही मृत्यु हो गई है। घर का गुजारा उसकी मां और बहनों के द्वारा मजदूरी से मिले पैसे से चलता है। आरोप है कि लगभग ढाई महीने पहले पीड़िता खेत से मजदूरी करके लौट रही थी. तभी रास्ते में उसे राजू नामक एक शख्स मिला जिसने उससे कहा कि बेकरी मालिक मोईद खान उसे बुला रहा है।

पीड़ित परिवार से मिले सीएम योगी

'घर जमाई बन कर रहना होगा, नहीं तो झूठे केस में फंसा देंगे'

नोएडा (चेतना मंच)। शादी के बाद पत्नी के घरवालों ने युवक पर घर जमाई बनकर रहने का इतना दबाव डाला कि पत्नी के परिजनों से त्रस्त होकर युवक ने आत्महत्या कर ली। पत्नी के परिजन धमकी देते थे कि अगर वह घर जमाई बनकर उनके साथ नहीं रहा तो उसे झूठे केस में फंसवा देंगे। युवक के पिता ने अपनी बहू व उसके परिजनों के खिलाफ थाना फेज-2 में मुकदमा दर्ज कराया है।

ससुरालियों के दबाव में युवक ने की आत्महत्या

ग्राम शिवपालपुर थाना भोगांव जिला मैनपुरी निवासी जगदीश ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके बेटे किशन कुमार की शादी 19 जून 2020 को जनपद मैनपुरी निवासी साक्षी के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उनकी पुत्रवधू साक्षी उसके पिता प्रमोद कुमार, साक्षी की मां लक्ष्मी, भाई प्रियांशु, हिमांशु उसके बेटे पर दबाव डालते थे कि वह अपनी सारी कमाई लाकर उन्हें दे और उनके साथ घर जमाई बनकर रहे। किशन कुमार इन बातों का विरोध करता था। बात न मानने पर उनकी पुत्रवधू साक्षी घर में लड़ाई झगड़ा कर मरने की धमकी देती थी। पिछले कुछ समय से उनका बेटा किशन कुमार अपनी पत्नी के साथ थाना फेज-2 क्षेत्र के इलाहाबास गांव में रह रहा था। साक्षी को लेने किशन जब अपने ससुराल पहुंचा तो ससुराल में उसके साथ गाली-गलौज कर उसे कमरे में बंद कर दिया। ससुराल वालों ने किशन के साथ मारपीट की और धमकी दी कि यदि वह घर जमाई बनकर नहीं रहा तो उसे तथा घर वालों को झूठे केस में फंसा दिया जाएगा। ससुराल वालों के चंगुल से निकालकर (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रेड फेयर में इलेक्ट्रीशियन की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटेडा गांव में लगने वाले शिल्पी ट्रेड फेयर मेला में काम करने के दौरान करंट लगने से इलेक्ट्रीशियन की मौत हो गई।

मूल रूप से ग्राम खुरई शिवपुरी मध्य प्रदेश निवासी निलेश पुत्र तिलक राम ग्राम इटैरा के पास एक प्लॉट में प्रस्तावित शिल्पी ट्रेड फेयर मेला में बिजली का काम कर रहा था। बीती रात्रि 9:00 बजे काम करने के दौरान उसका हाथ नंगे तार से छू गया। करंट लगने से निलेश बेसुध होकर गिर गया। साथी कर्मचारी उसे उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल लेकर गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुआवजा वितरण घोटाले की जांच में आया नया मोड़

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों तथा किसानों की सांठगांठ से हुए करोड़ों रूपये के मुआवजा वितरण घोटालों में सुप्रीम कोर्ट ने कड़े आदेश दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार की गठित एसआईटी जांच को हाशिये पर डालकर हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति से जांच कराने के आदेश दिए हैं।

- हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायमूर्ति की निगरानी में होगी जांच
- शीर्ष पुलिस अफसरों की गठित होगी तीन सदस्यीय कमेटी
- सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की रिपोर्ट को किया दरकिनार

अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच के लिए पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में तीन सदस्यीय कमेटी बनाने के भी आदेश दिये जो इस मामले की दोबारा सुनवाई करे।

कोर्ट ये मामने को तैयार नहीं है इस प्रकरण में सिर्फ दो याचिकाकर्ता अधिकारियों की संलिप्पता ही सामने आई है। एसआईटी रिपोर्ट में नोएडा का कोई अन्य अधिकारी सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग, दुरुपयोग और गबन में शामिल नहीं पाया गया है। कोर्ट ने ये भी कहा कि अतिरिक्त मुआवजा पाने वाले किसी भी किसान के साथ प्राधिकरण कोई जोर जबरदस्ती नहीं कर सकता। न ही भविष्य में होने वाली एफआईआर में उनके नाम शामिल कर सकता है।

नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण मामले में एसआईटी ने 180 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में तीन अधिकारियों ने मिलकर प्राधिकरण को करीब 1,17 करोड़ 56 लाख 95 हजार 40 करोड़ रुपए राजस्व का नुकसान पहुंचाया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एसआईटी ने नोएडा प्राधिकरण में 1 अप्रैल 2009 से 2023 तक कुल 15 सालों के मुआवजा वितरण संबंधित कुल 1198 फाइलों को खंगाला। जिसमें कुल 20 मामलों में अनियमितता मिली। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में शुरुआत में 12 और बाद में 8 नए प्रकरण सामने आए थे। रिपोर्ट में लिखा कि नोएडा प्राधिकरण पर कोई विधिक बाध्यता नहीं थी फिर भी काश्तकारों से समझौता किया गया। नोएडा प्राधिकरण के विधि विभाग के कनिष्क सहायक , सहायक विधि अधिकारी और विधि अधिकारी द्वारा किसानों से मिली भगत कर अतरिक्त रकम सौंपी गई।

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

दरअसल, गेझा-तिलपताबाद के मुआवजा वितरण की अनियमितताओं की बात सामने आने पर यह जांच शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 14 सितंबर 2023 को नोएडा प्राधिकरण व शासन को फटकार लगाते हुए कहा था कि यह गड़बड़ी सिर्फ विधि अधिकारी स्तर के नहीं कर सकते। इसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। फिर प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने इस मामले में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन हेमंत राव की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कैंटर की चपेट में आने से हुई थी मौत, ड्राईवर पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-1 क्षेत्र की एक कंपनी में काम करने के दौरान केंटर की चपेट में आने से हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मृतका की पत्नी ने आरोपी केंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से जनपद अलीगढ़ के रहने वाली सुनीता कुमारी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने पति के साथ डाढा गांव में रह रही थी। उसके पति रमेश चंद्र एक्यूरेट मल्टी लेयर पेपर कंपनी में काम करते थे। 18 जुलाई को उसके पति रोज की भांति कंपनी में काम करने के लिए गए थे। दोपहर के समय उसे कंपनी कर्मचारियों ने सूचना दी कि रमेश चंद्र की मौत हो गई है। वह पड़ोसियों के साथ कंपनी पहुंची तो पता चला कि उसके पति को (शेष पृष्ठ-3 पर)

निर्माण सामग्री घर के बाहर डालने पर बवाल

नोएडा (चेतना मंच)। निर्माणाधीन मकान के आसपास निर्माण सामग्री व अन्य सामान फैलाने का विरोध करना पड़ोसियों को खासा महंगा पड़ा। मकान स्वामी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पड़ोसियों से मारपीट कर उनका सर फोड़ दिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-63 में 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

दबंगों ने पड़ोसियों के साथ की मारपीट

चंदेश्वर प्रसाद सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका पड़ोसी वीर बहादुर अपना मकान बनवा रहा है। आए दिन वीर बहादुर उसके घर के सामने निर्माण दिन सामग्री व अन्य सामान डाल देता है। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो पूर्व में भी वीर बहादुर ने गाली-गलौज की। 31 जुलाई को वीर बहादुर ने एक बार फिर उनके घर के बाहर सामान डलवा दिया। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो। (शेष पृष्ठ-3 पर)

खूंखार पिटबुल ने महिला को काटा, एफआईआर दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में प्रतिबंधित पिटबुल नस्ल के कुत्ते के स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है पिटबुल ने करीब चार माह पूर्व महिला को काटकर घायल कर दिया था।

ग्राम चिटहेडा निवासी हरवीर गौतम ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 19 मार्च को उनकी मां बाहर से घर आ रही थी। इस दौरान घर के सामने रहने वाले सचिन पुत्र राधे चरण का पालतू पिटबुल नस्ल का कुत्ता बेकाबू हो गया। पिटबुल ने उनकी मां पर हमला बोलकर उन्हें घायल कर दिया। किसी तरह से उन्हें पिटबुल के चंगुल से बचाया गया। इसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी ने बताया की हार्दिक गौतम की शिकायत पर कुत्ते के स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मॉर्निंग वॉक कर रही महिला से चेन लूटी

बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों से लूटा मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर के अलग-अलग स्थानों पर बदमाशों ने लूट की तीन वारदातों को अंजाम दिया है। बाइक सवार बदमाशों ने मॉर्निंग वॉक कर रही महिला से सोने की चेन तथा दो लोगों से मोबाइल फोन लूट लिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

न्यू अशोकनगर दिल्ली निवासी चंदन कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 27 जुलाई को उसकी पत्नी सोनम कुमारी मॉर्निंग वॉक करने के लिए गई थी। मॉर्निंग वॉक करते हुए वह सेक्टर-1 के भीलवाड़ा टॉवर के पास पहुंची तो पीछे से बाइक पर आए तीन बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली। उनकी पत्नी ने शोर मचाया लेकिन तब तक बदमाश बाइक से रफू चक्कर हो गए। थाना फेस-1 प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

थाना फेस-2 में दर्ज कराई रिपोर्ट में कोंडली दिल्ली निवासी पूजा कुमार ने बताया कि वह 30 जुलाई को फेस-2 स्थित जैसन लिमिटेड कंपनी से अपनी ड्यूटी खत्म कर वापस घर जा रहा था। रास्ते में बाइक सवार दो युवकों ने उसे रोक लिया और उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए।

वहीं थाना सेक्टर-58 में ग्राम खेड़ा धर्मपुरा निवासी चेतन शर्मा ने अपना मोबाइल फोन लूटे जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चेतन शर्मा ने बताया कि वह सेक्टर-62 स्थित आयन डिजिटल जोन सेंटर आ रहा था। इस दौरान बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनसे मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पति व भाई के साथ घर आई दोस्त, जेवरात चोरी करके फुर्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक महिला ने अपनी दोस्त, उसके पति व भाई के खिलाफ घर से जेवरात चोरी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक आरोपियों ने उसके मास्टर बेडरूम में रखे अलमारी से लाखों रुपए के गहने पार कर दिए।

गौरसिटी-2 ,14 एवेन्यू ग्रेटर नोएडा निवासी सोनाली कुमारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि सेक्टर-12 निवासी उसकी दोस्त पूजा वालिया 27 जुलाई को उसके घर आई थी। कुछ देर बाद पूजा के पति व चचेरे भाई भी उनके घर आ गए और रात में यह लोग उनके यहां रुक गए। रात्रि करीब 3:00 बजे तीनों उन्हें बिना बताए घर से चले गए। इस तरह से जाने पर उसे शक हुआ और उसने अपनी मास्टर बेडरूम में रखी अलमारी चेक की। अलमारी से करीब 30 ग्राम सोने का पेंडेंट, 12 ग्राम की इयररिंग, सोने की चेन गायब थी। शव के आधार पर उसने (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो स्टेशन से आई फोन किया चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक व्यक्ति ने मेट्रो स्टेशन पर अपना आई फोन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है।

द्वारका दिल्ली निवासी शुभम पथरिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 25 जुलाई को दिल्ली के द्वारका मोड़ से मेट्रो से बोटैनिकल गार्डन आ रहा था। जब वह बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर उतरा तो उसे पता चला कि उसका मोबाइल चोरी हो गया है। उसने अन्य राहगीरों से फोन लेकर अपने नंबर पर कॉल की लेकिन वह स्विच ऑफ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी की (शेष पृष्ठ-3 पर)

इंटरलॉकिंग टाइल्स की आड़ में हरे पेड़ों की बलि !

नोएडा (चेतना मंच)। मानसून के मौसम में एक तरफ नोएडा प्राधिकरण पेड़ लगाने के लिए शहर वासियों को प्रेषित कर रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरलॉकिंग टाइल लगाने के लिए हरे भरे पेड़ों की बलि दी जा रही है।

दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई करे प्राधिकरण के अधिकारी : संजीव कुमार

दरअसल सी-9 तथा सी-10, सेक्टर-57 के सामने इंटरलॉक की टाइल लगाने के लिए ठेकेदार द्वारा भरे पूरे पेड़ को काट दिया है। इस मामले में डीडीआरडब्ल्यूए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार ने हरे पेड़ काटने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

फ्लैट का ताला टूटा नहीं और घर से चोरी हुए जेवरात

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 में एक व्यक्ति ने अपने फ्लैट से लाखों रुपए के जेवरात चोरी किए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित के मुताबिक उसके कमरे की एक चाबी मकान मालिक के पास थी।

सेक्टर-137 स्टेट पैरामाउंट फ्लोरा विले के डेजी टॉवर में रहने वाले ऋषभ गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 जून को अपने घर कानपुर गया था। वह कानपुर से 9 जुलाई को वापस लौटा। 13 जुलाई को उसने अपने अलमारी खोली (शेष पृष्ठ-3 पर)

कुदरत की मार

प्रलय को हमने पढ़ा और सुना है। जिसने प्रलय को देखा और झेला है, वह जिंदा नहीं रहा। 2013 में केदारनाथ धाम में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 200 मौतें हो चुकी हैं और इतने ही लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है? यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल में सेना और एनडीआरएफ के जवान हमें 'देवदूत' लगे, जिन्होंने मलबे में से निकाल कर असंख्य जिंदगियां बचाईं। हालांकि केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भू-स्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढऩे से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। मानसून में ये पहाड़ भू-स्खलन के लिए बेहद संवेदनशील हैं। जहां यह त्रासद घटना हुई है, वहां दो सप्ताह से बारिश हो रही थी, लिहाजा पहाड़ की मिट्टी गीली और ढीली हो चुकी थी। इसलिए एक ही रात में लगातार 3 भू-स्खलन आए। जमीन खिसक गई। घर हिलने लगे। पहाड़ दरक कर गिरने लगे। सडक़ और पुल ताश के पत्तों की तरह बिखरने और ढहने लगे। जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू-स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू-स्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बयान दिया है कि उन्होंने 23, 24, 25 जुलाई को केरल सरकार को चेतावनी भेजी थी। फिर 26 जुलाई को भू-स्खलन, भारी बारिश की चेतावनी देते हुए आशंका व्यक्त की थी कि कई जानें भी जा सकती हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने ऐसी चेतावनियों से इंकार किया है। उनका कहना है कि रेड अलर्ट तब जारी किया गया, जब सैलाब आ चुका था। बहरहाल ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास-कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़-पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं। देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबावमापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है। भारत में हर सरकार और नागरिक विकास चाहते हैं। उसके लिए जो निर्माण-कार्य किए जाते हैं, वे बेलगाम और अनियोजित हैं। खनन तक धड़ल्ले से कराया जाता है। पहाड़ को काटते-तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस पर सोचना चाहिए। देश के अन्य हिस्सों से भी बरसाती कहर के समाचार आ रहे हैं। बिहार हर वर्ष बाढ़ के कहर से सहम जाता है। वहां पर हर वर्ष बड़ी तादाद में जान और माल का नुकसान होता है। इस कहर से बिहार को बचाने के लिए इस वर्ष के बजट में विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। अन्य राज्यों को भी उदारता के साथ विशेष आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। खासकर हिमाचल पिछले वर्ष भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और इस वर्ष भी बरसात का कहर उसने देखा है। उसे केंद्रीय मदद की सख्त जरूरत है।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए अलग कांवड़ यात्रा मार्ग समय की मांग

देश में हर वर्ष आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान वर्ष दर वर्ष शिव भक्त कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा करना अब तो पुलिस-प्रशासन के लिए एक बेहद ही जटिल कार्य बनता जा रहा है। हालांकि शिव भक्तों को सबसे ज्यादा खतरा कांवड़ियों के भेष में उनके बीच ही छिपकर बैठे हुए कुछ हुड़दंगियों व कुछ आपराधिक सोच वाले लोगों से है, क्योंकि इस तरह के चंद लोगों की देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रति कोई आस्था श्रद्धा विश्वास नहीं होता है, बल्कि इन चंद लोगों का उद्देश्य तो केवल माहौल खराब के कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा को खतरे में डालते हुए, अपना हित साधने का होता है। उन लोगों का उद्देश्य होता है कि शांतिपूर्ण ढंग से चल रही कांवड़ यात्रा में हंगामा करके समाज का माहौल खराब करके पूजनीय शिव भक्त कांवड़ियों के प्रति आम जनमानस के बीच नफ़रत के बीज बोएं। इसलिए ही यह चंद लोग देवाधिदेव भगवान शिवशंकर के सिद्धांतों पर अमल ना करके भूल से भी जरा सी कोई घटना हो जाने पर ही, उस व्यक्ति को माफ़ ना करके मारपीट करने, तोड़फोड़ व लोगों की जान लेने तक पर उतारू हो जाते हैं और सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि हर वर्ष ऐसे घटनाओं में अब बढ़ोतरी होती जा रही है। वैसे अगर हम पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं पर ध्यान दें तो देश के विभिन्न हिस्सों से कांवड़ियों के भेष में आने वाले कुछ हुड़दंगियों का उद्देश्य ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने का ही होता है। जो जहरीली मंशा इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन व शिव भक्त कांवड़ियों की सतर्कता के चलते व भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से हर वर्ष विफल हो जाती है।

वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म %सनातन धर्म% के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। लेकिन श्रावण मास भगवान शिव का अतिप्रिय होने के चलते भगवान भोलेनाथ के भक्त भक्ति भाव से ओत-प्रोत होकर के श्रावण मास में कांवड़ लेने अधिक संख्या में जाते हैं, यह स्थिति कांवड़ लाने वाले देश के हर क्षेत्र में रहती है। विशेषकर उत्तराखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो पवित्र श्रावण मास में करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़िए सैंकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके कांवड़ लाकर के भगवान भोलेनाथ का

जलाभिषेक करते हैं।

इस उद्देश्य से ही देश के विभिन्न हिस्सों में सनातन धर्म के करोड़ों अनुयाई देवाधिदेव भगवान महादेव के अतिप्रिय माह श्रावण मास के शुरू होते ही शिव भक्त कांवड़ लेकर अपने आराध्य भगवान शिव का जलाभिषेक करने निकल पड़ते हैं। इस दौरान उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के बहुत सारे जिलों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गुजरने वाली कांवड़ियों की सुरक्षा करना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है।

उत्तराखंड के गोमुख से लेकर के ऋषिकेश, हरिद्वार व उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद आदि में यूपी, दिल्ली हरियाणा, पंजाब व राजस्थान आदि राज्यों के कांवड़ियों को व्यस्त सड़क पर जल ले जाते समय सुरक्षा देने में इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन को संसाधनों की पूरी ताकत झोंकनी पड़ती है और अगर जरा सी भी कोई घटना यात्रा मार्ग में घटित हो जाये तो सिस्टम व आम जनमानस दोनों के हाथ-पांव बुरी तरह से फूल जाते हैं। अलग-अलग राज्यों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गंगाजल लेने के लिए पहुंच रहे पैदल व डाक कांवड़ियों की भारी भरकम भीड़ को देखते हुए ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की बहुत सारी सड़कों, हाईवे आदि पर चलने वाले भारी वाहनों के ट्रैफिक को पूरी तरह से रोकर के डायवर्ट करना पड़ता है।

वहीं लोकल के हल्के वाहनों के लिए भी एक लेन आने व एक लेन जाने की बनाकर ट्रैफिक का संचालन करना पड़ता है। जो स्थिति चौबिसों घंटे खड़े होकर के ड्यूटी देने वाले पुलिस-प्रशासन व उस क्षेत्र के आम जनमानस के लिए तो बेहद चुनौतीपूर्ण होती ही है। साथ ही वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ते हुए हल्के वाहनों की संख्या के चलते कांवड़ यात्रा के दौरान वाहन दुर्घटनाओं में भी तेजी से इजाफा हो रहा है, जो कि शिव भक्त कांवड़ियों के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन को असमय लीलने का कारण बन रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान आये दिन दंगा-फसाद होने का कारण भी बनने लगी है।

वैसे भी आज देश के हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल फोन होने के चलते कुछ लोगों की नासमझी से सोशल मीडिया पर एक ऐसा दौर चल रहा है जब एक छोटी सी बात का बतंगड़ चंद मिनटों में ही जाति-धर्म की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले कुछ नेताओं व कुछ लोगों की कृपा से बन जाता है। इसलिए यह अब समय की मांग है कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड राज्य के हित में हर वर्ष होने वाली इस अद्भुत पावन कांवड़ यात्रा को शांति पूर्वक पूरे भक्तिपूर्ण व शिवमय माहौल में संपन्न करवाने के लिए कांवड़ लाने वाले भक्तों के लिए एक अलग कांवड़ यात्रा मार्ग को धरातल पर जल्द से जल्द मूर्त रूप देकर के भगवान शिव के भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा को ओर मजबूत किया जाए।

- दीपक कुमार त्यागी
स्वतंत्र पत्रकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर वही कथा मैंने वाराह क्षेत्र में अपने गुरुजी से सुनी, परन्तु उस समय मैं लड़कपन के कारण बहुत बेसमझ था, इससे उसको उस प्रकार (अच्छी तरह) समझा नहीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

श्रोता बकता ग्याननिधि कथा राम कै गूढ़।
किमि समुझौं मैं जीव जड़ कलि मल ग्रसित बिमूढ़॥

श्री रामजी की गूढ़ कथा के वक्ता (कहने वाले) और श्रोता (सुनने वाले) दोनों ज्ञान के खजाने (पूरे ज्ञानी) होते हैं। मैं कलियुग के पापों से ग्रसा हुआ महामूढ़ जड़ जीव भला उसको कैसे समझ सकता था?॥

तदपि कही गुर बारहिं बारा। समुझि परी कछु मति अनुसारा॥
भाषाबद्ध करबि मैं सोई। मोरें मन प्रबोध जेहिं होई॥

तो भी गुरुजी ने जब बार-बार कथा कही, तब बुद्धि के अनुसार कुछ समझ में आई। वही अब मेरे द्वारा भाषा में रची जाएगी, जिससे मेरे मन को संतोष हो॥

जस कछु बुधि बिबेक बल मेरें। तस कहिहउँ हियँ हरि के प्रेरें॥
निज संदेह मोह भ्रम हरनी। करउँ कथा भव सरिता तरनी॥

जैसा कुछ मुझमें बुद्धि और विवेक का बल है, मैं हृदय में हरि की प्रेरणा से उसी के अनुसार कहूँगा। मैं अपने संदेह, अज्ञान और भ्रम को हरने वाली कथा रचता हूँ, जो संसार रूपी नदी के पार करने के लिए नाव है॥

(क्रमशः...)

फिर ड्रिल पीरियड, एक सही दिशा

वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है तथा हमने भी व्यक्तिगत तौर पर प्रदेश के बड़े निजी स्कूलों के प्रबंधकों से कई बार बात की है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, पर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा का मतलब शरीर व मन, दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी इसी उम्र में शुरू करना होता है।

शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है।

आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल

प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नकद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है।

हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है।

पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। हमें पढ़ाई के साथ ही सही फिटनेस कार्यक्रम भी देना है।

-भूपिंद्र सिंह
अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : चतुर्दशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आर्थिक स्थिति थोड़ी बूझी-बूझी सी महसूस करेंगे आप। बहुत मजेदार नहीं लगेगा। वाणी में ताकत नहीं रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी सही रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ऊर्जा का ह्रास होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। मन में बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आय के बहुत स्तोत्र होने के कारण कन्फ्यूज रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मध्यम है। कोई नए व्यापार की शुरुआत न करें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत मजेदार नहीं होगी। कार्यों में विघ्न-बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। रिस्क लेने लायक नहीं हैं अभी। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बहुत सारे लोगों के साथ संबंध के चक्कर में न रहें। कोई नहीं मिल पाएगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शत्रुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी। यद्यपि कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन कन्फ्यूज रहेगा। बहुत सारे ऑप्शन में आप परेशान रहेंगे। कंसंट्रेशन की प्रॉब्लम होगी। विद्यार्थी परेशानी में रहेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
घर में बहुत तरीके के लोग इस समय शामिल रहेंगे। जिस की वजह से घरेलू सुख बाधित रहेगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी लेकिन नए व्यापार की शुरुआत न करें। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य मध्यम।

भाकियू (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कल राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय कैमराला में कांवड़ियों का स्वागत किया। फोटो : चेतना मंच

भाजपा नेता डा. दीपक कुशवाहा कल डाक कांवड लेकर हरिद्वार से कुलेसरा पहुंचे और उन्होंने भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक किया।

प्रशासन एवं पुलिस अफसरों का जताया आभार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं भाजपा नेता

चैनपाल प्रधान ने शिवरात्रि के पावन पर्व पर कांवड़ियों द्वारा शांतिपूर्वक जल चढ़ने को लेकर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह का धन्यवाद किया है।

उन्होंने कहा कि जिस शांति व्यवस्था के साथ कांवड़ियों ने शिवरात्रि पर कावड़ लेकर अपने अपने गृह जनपद पहुंचे और विभिन्न स्थानों पर स्थित मंदिरों में जलाभिषेक किया इसके लिए पुलिस अफसरों का मैं धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। उन्होंने कहा कि बिना घटना घटित हुई कावड़ यात्रा संपन्न हुई इसको लेकर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक धन्यवाद के पात्र हैं।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कावड़ यात्रा पर ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था की थी कि परिंदा भी पर न मार सके। वहीं पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों ने कांवड़ ले जा रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा के साथ-साथ उनकी आव भगत में भी कोई और कसर नहीं छोड़ी।

क्रेन ने महिला पोस्टमास्टर को मारी टक्कर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12/22 के चौराहे पर ऑटो ले रही महिला पोस्ट मास्टर को हाइड्रा क्रेन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला पोस्टमास्टर घायल हो गई और उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया।

थाना सेक्टर-24 में दर्ज कराई रिपोर्ट में छिजारसी गांव निवासी अंकुश शर्मा ने दर्ज कर रिपोर्ट में बताया कि उनकी मां गौरा शर्मा भारतीय डाक विभाग में पोस्ट मास्टर के पद पर तैनात हैं। वह हाल में छिजारसी स्थित ब्रांच में कार्यरत हैं।

2 अगस्त को वह सेक्टर-19 पोस्ट ऑफिस में मीटिंग के लिए गई थी। वापस लौटते समय वह 12/22 के चौराहे पर उतरकर घर आने के लिए दूसरा ऑटो ले रही थी। इस दौरान रेड लाइट पर खड़े हाइड्रा क्रेन के चालक ने अचानक क्रेन चलकर उनकी मां गौरा शर्मा को टक्कर मार दी। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोटे आई और बाया हाथ पूरी तरह कुचल गया तथा लेफ्ट पैर में फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद क्रेन चालक मौके से फरार हो गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

छीने गए मोबाइल के साथ तीन पकड़े

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेज-3 तीन पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है इनके पास से छीने गए तीन मोबाइल फोन, दो चाकू व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है।

थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि गढ़ी गोल चक्कर की तरफ से सर्विस रोड पर तीन व्यक्ति स्प्लेंडर बाइक पर सवार होकर कहीं जाने की फिराक में है। इनके पास छीने हुए मोबाइल फोन व अवैध असलाह हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम गढ़ी गोल चक्कर की ओर जाने वाले एफएनजी सर्विस रोड पर पहुंचकर चेकिंग शुरू करने द। मुखबिर के इशारे पर स्प्लेंडर बाइक पर आ रहे तीन युवकों को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक अपनी बाइक मोडकर भाग निकले। पुलिस कर्मियों ने पीछा कर तीनों को दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से एक-एक चाकू व तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम विशाल पुत्र राकेश, राजेंद्र पुत्र ग्यासी लाल तथा सूरज पुत्र सुनील कुमार बताया। पकड़े गए तीनों बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने करीब 15 दिन पहले सर्विस रोड सेक्टर-121 के सामने एक राह चलते व्यक्ति से रेडमी फोन छीना था। अन्य दो मोबाइल भी उन्होंने अलग-अलग स्थान से राहगीरों से छीने थे।

अधिवक्ता को कोर्ट के बाहर दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र स्थित जिला न्यायालय में एक केस की पैरवी कर लौट रहे अधिवक्ता के साथ विपक्षियों ने गाली गलौज की। अधिवक्ता का आरोप है कि आरोपियों ने सार्वजनिक तौर पर उसे जातिसूचक शब्दों से भी संबोधित किया।

थाना सूरजपुर में दर्ज कराई रिपोर्ट में अधिवक्ता सुभाष कुमार ने बताए कि वह 30 जुलाई की दोपहर को एडीजे पंचम के न्यायालय में विचाराधीन क्रिमिनल रिवीजन सुभाष कुमार बनाम उत्तर प्रदेश सरकार आदि में पैरवी कर वापस अपने चेंबर आ रहा था। जैसे ही वह सीजेएम कोर्ट के सामने पहुंचा तो उक्त क्रिमिनल रिवीजन में विपक्षी पक्ष का राजेश कुमार ठाकुर उसके पुत्र लव कुमार ठाकुर निवासी पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट साइट सी ग्रेटर नोएडा तथा एक अन्य व्यक्ति ने उसे भद्दी भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने खुलेआम जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर सार्वजनिक तौर पर अपमानित किया। अधिवक्ता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की।मौके पर पहुंचे अन्य अधिवक्ताओं ने उसे आरोपियों के चंगुल से बचाया। जिसके बाद तीनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

रोहन मोटर्स के कर्मचारियों पर चोरी का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-1 स्थित रोहन मोटर्स की सर्विस ऑन व्हील गाड़ी पर तैनात कर्मचारियों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। कंपनी प्रबंधन ने थाना फेस-1 में दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोपी के अलावा अन्य कर्मचारियों पर भी चोरी का शक जताया है।

रोहन मोटर्स लिमिटेड के अधिकारी मोहम्मद शाहनवाज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके यहां मारुति गाड़ियों की सेल व सर्विस का काम होता है। 27 जुलाई को कंपनी का कर्मचारी ओमपाल सर्विस ऑन व्हील गाड़ी पर ड्राइवर की ड्यूटी कर रहा था। सुबह कंपनी के इंटरनल ऑडिटर की टीम ने जांच के दौरान उसकी गाड़ी से चार प्लास्टिक कैन बरामद की। प्रत्येक प्लास्टिक कैन में 20 लीटर काला इस्तेमाल किया हुए तेल भरा हुआ था। इंटरनल ऑडिटर टीम ने इसकी जानकारी प्रबंधन को दी। इसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना फेस-1 में मुकदमा दर्ज कराया गया। मोहम्मद शाहनवाज ने आशंका जताई है कि वर्कशॉप के कर्मचारी व कुछ सुरक्षा कर्मी भी चोरी में सम्मिलित हो सकते हैं।

कमरे से लैपटॉप व मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-63 ए ब्लॉक में रहने वाले युवकों के कमरे से चोरों ने लैपटॉप व दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए।

सेक्टर-63 सी ब्लॉक में रहने वाले राजकुमार तिवारी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ रह रहा है। 11 जुलाई को वह अपने कमरे में सो रहे थे। गर्मी अधिक होने के कारण उन्होंने कमरे का दरवाजा खुला छोड़ रखा था। सुबह जब वह सोकर उठे तो कमरे में रखा लैपटॉप व दो मोबाइल फोन गायब थे। उन्होंने गायब सामान की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

टर्मिनल एवं समय-सारणी में परिवर्तन

सर्वसम्बंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी संख्या 12229/12230 लखनऊ मेल के टर्मिनल को लखनऊ जं. (एनईआर) के स्थान पर लखनऊ (एनआर) स्टेशन पर निम्नानुसार परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप रेलगाड़ी संख्या 14241 एवं 14236 के लखनऊ स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय में भी परिवर्तन किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

टर्मिनल में परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या	वर्तमान से - तक	लखनऊ जं. पर समय	संशोधित से - तक	लखनऊ/एनआर पर समय	तिथि (आरंभिक स्टेशन से)
12229	लखनऊ जं.–नई दिल्ली	प्रस्थान - 22:00	**लखनऊ-नई दिल्ली**	प्रस्थान - 22:00	15.08.2024
12230	नई दिल्ली– लखनऊ जं.	आगमन - 06:50	**नई दिल्ली-लखनऊ**	आगमन - 06:50	16.08.2024

नोटः रेलगाड़ी संख्या 12229/12230 की लखनऊ–नई दिल्ली–लखनऊ के बीच आगमन/प्रस्थान समय यथावत रहेंगी।

समय-सारणी में परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय		तिथि (आरंभिक स्टेशन से)
			आग.	प्रस्था.	आग.	प्रस्था.	
14241	प्रयागराज संगम–सहारनपुर एक्स.	लखनऊ	21:55	22:05	**22:00**	**22:10**	15.08.2024
14236	बरेली–वाराणसी जं. एक्सप्रेस		21:45	21:55	**21:50**	**22:00**	

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

हमें फॉलो करें आज़ादी का अमृत महोत्सव उत्तर रेलवे आपकी सुविधा – हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें 2374/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शराबी ने बच्ची के गाल पर काटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-50 की जेजे कॉलोनी में शराब के नशे में एक युवक ने 14 माह की बच्ची के गाल पर काट लिया। परिजनों ने जब इस बात का विरोध किया तो वह मारपीट पर उतारू हो गया।

सेक्टर 50 की जेजे कॉलोनी में रहने वाले मोनू (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनके पड़ोस में ही सागर उर्फ मंटूरी रहता है। वह आए दिन शराब पीकर लोगों के साथ झगड़ा फसाद करता रहता है। 1 अगस्त को उनका पड़ोसी शिवम उसके 14 माह की बेटी को अपनी गोद में खिला रहा था। इस दौरान सागर उर्फ मंटूरी वहां पहुंच गया और उनकी बेटी को खिलाने लगा। बच्ची को खिलाते समय उसने उसके गाल पर काट लिया। शिवम ने बताया कि सागर उर्फ मंटूरी शराब के नशे में था। अगले दिन जब वह मंटूरी के घर इस बाबत पूछने गया तो उसने झगड़ा शुरू कर दिया। पीड़ित के मुताबिक उसने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस के सामने आरोपी ने स्वीकार किया कि पुराने झगड़े का बदला लेने के लिए उसने उसकी बेटी के साथ यह हरकत की थी। मंटूरी अब उसे धमकी दे रहा है कि अगर पुलिस में शिकायत की तो वह उसे जान से मार देगा। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

घर जमाई बन कर....

किशन इलाहाबास गांव में अपने किराए के मकान पर पहुंचा। यहां पर भी साक्षी व उसके परिजन उसे व्हाट्सएप कॉल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहे। 27 मार्च को किशन कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने 10 अप्रैल को थाने में आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जगदीश ने बताया कि इसके बाद उन्होंने न्यायालय में याचिका दायर कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुआवजा वितरण घोटाले की ....

जिसके बाद ये जांच हुई। इस टीम में हेमंत राव के साथ मेरठ मंडल कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे, एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस मेरठ जोन डीके ठाकुर थे। इस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने दरकिनार करते हुए दोबारा जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो स्टेशन से ....

रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बोटैनिकल मेट्रो स्टेशनों पर मोबाइल वापस चोरी होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मेट्रो स्टेशनो पर कड़ी सुरक्षा होने के बावजूद भी भीड़ का फायदा उठाते हुए चोर उचक्के लोगों के मोबाइल फोन पर्स व कीमती सामान पर हाथ साफ कर रहे हैं।

फ्लैट का ताला ....

तो उसमें रखे लाखों रुपए के जेवरात गायब थे। ऋषभ गुप्ता के मुताबिक अलमारी से सोने का एक नेकलेस, मंगलसूत्र, तीन चेन, पांच अंगूठी, दो चूड़ियां, 5 ईयर रिंग, एक ब्रेसलेट व चांदी की तीन पायल गायब थी। ऋषभ गुप्ता ने बताया कि जिस समय वह वापस कानपुर से लौटा था तो उसे मुख्य द्वार पर लगा ताला सही सलामत मिला था उसके मकान का ताला तोड़कर चोरी नहीं हुई है। कानपुर जाते समय उसने मकान मालिक द्वारा दी गई चाबियों से घर के दरवाजे को लॉक किया। मकान की चाबियां का एक सेट मकान मालिक के पास भी है। ऋषभ गुप्ता ने आरोप लगाया कि किसी जानकार व्यक्ति के द्वारा ही यह चोरी की गई है।

इंटरलॉकिंग टाइल्स की....

उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ समेत वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि वे इस मामले की जांच करायें तथा दोषी ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करें।

बताया जाता है कि इंटरलॉकिंग टाइल्स के नाम पर इसके पूर्व भी कई पेड़ों की बलि चढ़ाई गई है, लेकिन प्राधिकरण के आला आधिकारी तथा उद्यान विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं।

पति व भाई के....

अपनी दोस्त पूजा को जेवरात लौटाने के लिए फोन किया तो उसने कहा कि उसके पास क्या सबूत है कि उसने ही चोरी की है। बिना सबूत के उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। सोनाली कुमारी के मुताबिक इसके बाद वह पूजा वालिया के घर गई और अपने जेवरात मांगे तो उसने ज्वेलरी लौटाने से साफ इंकार कर दिया।

पीड़िता के मुताबिक उसने इसकी शिकायत गौर सिटी चौकी व थाने में की लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई इसके बाद उसने डीसीपी सेंट्रल के यहां अपनी शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मॉर्निंग वॉक कर रही....

लेकिन वह फरार होने में सफल रहे। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

कैंटर की चपेट में ....

अस्पताल ले जाया गया है। कंपनी कर्मचारियों ने बताया कि कंपनी में आए कैंटर के चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाकर उसके पति रमेश चंद्र को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

निर्माण सामग्री घर के बाहर ....

वीर बहादुर गाली गलौज करने लगा। इस दौरान वीर बहादुर सिंह ,चंदन प्रसाद सिंह, कुंदन प्रसाद, पानपति देवी, रानी देवी, पूनम देवी तथा लेबर व मिस्त्री ने सरिया व डंडों से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसे बचाने आए रोहित कुमार व पूनम देवी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। रानी देवी, पूनम देवी तथा लेबर व मिस्त्री ने सरिया व डंडों से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसे बचाने आए रोहित कुमार व पूनम देवी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पीड़ित के मुताबिक आरोपी वीर बहादुर मोहल्ले में पूरी दबंगई दिखाता है। निर्माण सामग्री फैलाने का विरोध करने पर वह गाली-गलौज करने के साथ-साथ मारने की धमकी भी देता है।

वहीं चोटपुर कॉलोनी में रहने वाली शिवानी ने पड़ोसियों के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

शिवानी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 1 अगस्त की शाम को उसके पड़ोसी गगन यादव, जगन्नाथ व एक महिला ने उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। इस दौरान उसकी सास आशा देवी तथा उनका जेठ विक्की उसे बचाने का प्रयास करने लगे। आरोपियों ने उसके सास व जेठ के साथ भी लाठी-डंडों से मारपीट की। इस दौरान उसका मंगलसूत्र भी कहीं गिर गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें धमकी दी कि वह अपना मकान बेचकर भाग जाएं नहीं तो अंजाम बुरा होगा। थाना प्रभारी में बताया कि दोनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200 Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

मीशो ने स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक का समर्थन करने वाली ई-वाणिज्य कंपनी मीशो ने जुबिलेंट भारतीय समूह के संस्थापक हरि एस. भरतिया के साथ तीन अन्य को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। भरतिया के अलावा मीशो ने दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशिया के लिए जेपी मॉर्गन की पूर्व चेयरमैन कल्पना मोरपारिया, फोनपे के गैर-कार्यकारी बोर्ड चेयरमैन रोहित भगत और सैन फ्रांसिस्को स्थित एआई कंपनी ईमा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुरोजित चटर्जी को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। मीशो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं, हमें मीशो के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के रूप में सुरोजित चटर्जी, कल्पना मोरपारिया, रोहित भगत और हरि एस. भरतिया की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

देश में कोयला उत्पादन जुलाई में बढ़कर 7.41 करोड़ टन

नई दिल्ली। देश में कोयला उत्पादन जुलाई महीने में 6.69 प्रतिशत बढ़कर 7.41 करोड़ टन रहा। कोयला मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में देश में कोयला उत्पादन 6.94 करोड़ टन रहा था। कुल कोयला आपूर्ति इस साल जुलाई में 4.58 प्रतिशत बढ़कर 7.95 करोड़ टन रही जो पिछले साल इसी महीने में 7.60 करोड़ टन थी। मंत्रालय ने एक अलग बयान में कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 10 कोयला खदानों के लिए आदेश जारी किये गये हैं। ये खदान देश की कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इसमें एक पूरी तरह से खोजी गई और नौ आंशिक रूप से खोजी गई खदानें शामिल हैं। ये खदानें झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देंगी।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.73 पर स्थिर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के दौरान रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.73 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्णय तथा भारतीय शेयरों में कुछ विदेशी पूंजी प्रवाह के बाद प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर में नरमी से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.74 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरूआती सौदों के यह 83.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है।

टाटा मोटर्स की जुलाई माह में कुल बिक्री 71,996 यूनिट

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की जुलाई माह में कुल बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत घटकर 71,996 यूनिट रही। कंपनी ने जुलाई 2023 में 80,633 यूनिट की बिक्री की थी। टाटा मोटर्स ने बयान में कहा, कुल घरेलू बिक्री पिछले माह 11 प्रतिशत घटकर 70,161 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 78,844 इकाई थी। इसके अलावा घरेलू बाजार में टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) सहित यात्री वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत घटकर 44,954 इकाई रह गई। जुलाई 2023 में यह 47,689 इकाई थी। कमर्शियल वाहनों की बिक्री जुलाई में 18 प्रतिशत घटकर 27,042 इकाई रह गई।

इंफोसिस को कथित टैक्स चोरी मामले में राहत

नई दिल्ली। देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस को कथित टैक्स चोरी के मामले में बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक सरकार ने कंपनी को भेजे गए 32,403 करोड़ रुपये के नोटिस को वापस ले लिया है। इस भारी भरकम नोटिस को लेकर इंफोसिस सुर्खियों में थी और गुरुवार को ही उसकी ओर से सफाई जारी की गई थी। बीते कारोबारी दिन गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इंफोसिस की ओर से बताया गया कि कंपनी को कर्नाटक राज्य के अधिकारियों से एक मैसेज मिला है, जिसमें उसे भेजे गए बताओ नोटिस को वापस लेने का जिक्र है।

7.28 करोड़ रिटर्न के साथ बना नया रिकॉर्ड

- करदाताओं और कर पेशेवरों ने समय पर अपने अनुपालन किए
- आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में तेजी आई और आईटीआर दाखिल करने का एक नया रिकॉर्ड बना
- 58.57 लाख करदाताओं ने पहली बार आयकर रिटर्न फाइल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित समय सीमा 31 जुलाई तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए गए। इनमें नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए। 31 जुलाई को एक ही दिन में 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किये गए, जबकि 58.57 लाख करदाताओं ने पहली बार आयकर रिटर्न फाइल किया। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड संख्या में 7.28 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए है, जो आयकर रिटर्न का एक नया रिकॉर्ड है। पिछले साल 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे। कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या 2.01 करोड़ है। समय सीमा के अंतिम दिन 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किए। पहली बार आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो कर आधार के विस्तार का एक अच्छा संकेत है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं और कर पेशेवरों ने समय पर अपने अनुपालन किए, जिससे आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में तेजी आई और आईटीआर दाखिल करने का एक नया रिकॉर्ड बना। यह 31 जुलाई, 2023 तक आकलन वर्ष 2023-24 के लिए दाखिल किए गए कुल 6.77 करोड़ आईटीआर से 7.5 फीसदी अधिक है।

भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन को लॉन्च कर दिया गया है। इस डिवाइस में रियर कैमरा में लेइका सुमिलक्स लेंस दिया गया है। इसमें प्रीमियम वीदन लेदर फिनिश के साथ स्पेशल डुअल-टोन डिजाइन दिया गया है। साथ ही यहां नेक्स्ट-जेन क्वॉड कर्व्ड डिस्प्ले भी दिया गया है। शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन की कीमत 48,999 रुपये रखी गई है। इसे सिंगल 12जीबी+512जीबी वेरिएंट में उतारा गया है। इस डिवाइस को ग्राहक फ्लिपकार्ट और शाओमी पार्टनर ऑफलाइन स्टोर्स से खरीद सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर ईएमआई और नॉन-ईएमआई दोनों तरह के ट्रांजैक्शन पर 3,000 रुपये की अतिरिक्त छूट दी जा रही है। ग्राहकों को 9 महीने तक के लिए नो-कॉस्टईएमआई पेमेंट ऑप्शन भी दिया जा रहा है। हालांकि, ये ऑप्शन चुनिंदा बैंक के क्रेडिट कार्ड पर दिया जा रहा है। शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन में डुअल-टोन फिनिश है, जिसमें वीगन लेदर और मिरर

ग्लास फिनिश है। ये पांडा डिजाइन थीम से इंस्पायर्ड है और एक्वा ब्लू, पांडा व्हाइट और हॉट पिंक कलर्स में आता है। सभी वेरिएंट में ब्लैक कलर का ग्लास है, जिसके चलते बैक पैनल पर प्रीमियम टू-कंट्रास्ट कलर मिलता है। ये फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर के लैस है। ये सीआईवीआई लाइनअप के समान सिनेमैटिक विजन डीएनए को फॉलो करता है, जिसमें शाओमी और लेइका द्वारा को-डेवलप्ड सुमीलक्स लेंस पावर्ड ट्रिपल रियर कैमरे हैं। शाओमी 14सीआईवीआई पंडा एडीशन में 50 एमपीएफ/1.6 प्राइमरी कैमरा, 20 एमपीएफ/2.0 टेलीफोटो लेंस और 12एमपीएफ/2.2 अल्ट्रावाइड लेंस है। ये डुअल-फ्रंट कैमरा वाले सबसे रेयर स्मार्टफोन्स में से एक है, जिसमें 32एमपीएफ/2.0 प्राइमरी और 32एमपीएफ /2.4 अल्ट्रावाइड लेंस शामिल हैं।

इरडा ने एचडीएफसी लाइफ पर लगाया 2 करोड़ का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर सख्त कार्रवाई की है। नियामक ने नियमों का उल्लंघन करने के लिए 2 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। एक करोड़ रुपये का जुमार्ना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए और सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। एचडीएफसी लाइफ ने रेगुलेटरी फाइलिंग में जानकारी दी है कि इरडा नियमों का उल्लंघन करने के लिए उसके ऊपर कुल 2

करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी के मुताबिक नियामक ने सितंबर, 2020 में वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19, और 2019-20 को कवर करते हुए किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुमार्ने की यह कार्रवाई की गई है। कंपनी के मुताबिक इरडा ने एक अगस्त, 2024 को जुमार्ने का यह आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि एक करोड़ रुपये का जुर्माना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए लगाया गया है। इसके अलावा सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बीमा नियामक ने कंपनी को अतिरिक्त दिशा-निर्देश और सलाह जारी की है। एचडीएफसी लाइफ को निर्देश दिया गया है कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का पालन करे। इसके साथ ही पहचानी गई कमियों को दूर करे और नियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करे। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) भारत में बीमा क्षेत्र का पर्यवेक्षण और विकास करने वाला एक वैधानिक निकाय है। इसका गठन संसद के बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 के तहत किया गया है। इरडा का मुख्य उद्देश्य पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना और बीमा उद्योग को नियंत्रित करना है।

ओलंपिक विजेता सरबजोत का नीता अंबानी ने किया स्वागत

पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने इंडिया हाउस पहुंचने पर सबसे पहले कुछ खाने के लिये मांगा जिसके बाद उनके सामने गोल गप्पे, भेल और डोसा परोसे गए। सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ इसके तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे। 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने यहां आतिथ्य गृह इंडिया हाउस बनाया गया है। इसमें

भारतीय वास्तुकला को प्रदर्शित किया गया है, इसमें योग सत्र, बॉलीवुड डांस की कक्षा और मेंहदी टैटू और ब्लॉक प्रिंटिंग की वर्कशॉप भी होती हैं। यहां पर बिरयानी और मटन करी से लेकर दही चावल तथा मिठाइयों तक भारतीय भारतीय व्यंजन भी परोसे जाते हैं। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी ने पदक विजेताओं का स्वागत किया, जिन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के साथ साझेदारी में इसे बनाया है। फोटो और सेल्फ खिंचवाने के बाद जब पदक विजेताओं से पूछा गया कि उन्हें क्या चाहिए तो वहां हुई बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्र ने कहा कि सरबजोत ने कहा, कृपया मुझे कुछ खाने को दें। फिर कुछ ही मिनट में इंडिया हाउस में खिलाड़ियों के लिए विशेष लाउंज में पूरे दल के लिए पानी पूरी, भेल और डोसा था अन्य मशहूर भारतीय स्नैक्स परोसे गए।

वित्त मंत्री 10 को आरबीआई निदेशक मंडल को करेंगी संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 10 अगस्त को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी। इस दौरान वह वित्त वर्ष 2024-25 के बजट से जुड़े अहम बिंदुओं पर रोशनी डालेंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय बजट पेश होने के बाद होने वाली यह बैठक 10 अगस्त को निर्धारित की गई है। बैठक में वित्त मंत्री रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल में शामिल सदस्यों को संबोधित करेंगी। इस

दौरान सीतारमण राजकोषीय सशक्तीकरण के अलावा केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई अन्य घोषणाओं पर भी चर्चा करेंगी। ये परंपरा रही है कि वित्त मंत्री बजट पेश होने के बाद आरबीआई निदेशक मंडल को संबोधित करते हैं। उल्लेखनीय है कि वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में 23 जुलाई को चालू वित्त वर्ष का केंद्रीय बजट को पेश करते हुए कहा कि 2024-25 के लिए उधारी के अलावा कुल प्राप्तियां 32.07 लाख करोड़ रुपये और कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान बताया है।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी का किया अनावरण

जमशेदपुर। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में लंबे इंतजार के बाद सबसे आधुनिक उत्पाद - रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी, रियलमी वॉच एस2 और रियलमी बड्स टी310 पेश किए। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी में दो मॉडल, रियलमी 13 प्रो 5जी और रियलमी 13 प्रो 5जी शामिल हैं। इसमें एआई के साथ अल्ट्रा क्लियर कैमरा है, जो इंप्रेशनिज्म के महान मास्टर, क्लॉड मोनेट से प्रेरित आकर्षक डिजाईन के साथ अत्याधुनिक कैमरा टेक्नोलॉजी पेश करता है।

रियलमी ने मिड से हाई एंड स्मार्टफोन बाजार में प्रमुख दिग्गज बनने की अपनी योजना के बारे में बताया था। यह महत्वाकांक्षा तीन मुख्य क्षेत्रों: विशाल मैमोरी पॉपुलराईजेशन, क्वालिटी अपग्रेड, और हमारे एआईयूआई पॉपुलाईजर प्लान से स्पष्ट है। युवा यूजर्स को गहराई से समझने वाले टेक ब्रांड के रूप में रियलमी का वादा है कि भविष्य की हर नंबर प्रो सीरीज में स्टैंडर्ड 512जीबी का मैमोरी विकल्प मिलेगा, ताकि आबादी की बढ़ती मांगें पूरी हो सकें। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, हम आज रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी, रियलमी बड्स टी310 और रियलमी वॉच एस2 पेश करके बहुत उत्साहित हैं। युवा यूजर्स की जरूरतों को समझकर हमने अपने नैक्स्ट एआई लैब और एआईयूआई पॉपुलाईजर प्लान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य नैक्स्ट जनरेशन के एआई अनुभवों को अगले तीन सालों में कम से कम 100 मिलियन यूजर्स तक पहुँचाना है। क्वालकोम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड में मोबाईल, कंप्यूट और एक्सआर बिजनेस हेड, सौरभ अरोड़ा ने कहा, हम भारत में यूजर्स को प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी दीर्घकालिक साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

टमाटर की कीमतें जा सकती हैं 100 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर के बाजारों में टमाटर की कीमत 60 से 70 रुपये प्रति किलो चल रही है लेकिन आशंका है कि जल्दी ही इसकी कीमत 100 के पार हो सकती है। दरअसल, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश ने टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया है। इससे आने वाले दिनों में टमाटर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। आजादपुर मंडी के व्यापारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत के कई बाजारों में टमाटर का मुख्य आपूर्तिकर्ता है। बारिश के कारण सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। यही नहीं हिमाचल के कई हिस्सों में सड़कें भी बह गई है। इससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है।

थापर विवि ने जीता प्रतिष्ठित रिबा अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार

रांची। थापर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान को यह घोषणा करते हुए गर्व है कि उसकी थापर विश्वविद्यालय लर्निंग लेबोरेटरी को प्रतिष्ठित रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिटिश आर्किटेक्ट्स (रिबा) अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। मैकुलो मुलविन आर्किटेक्ट्स (टूट) और डिजाइनप्लस एसोसिएट्स सर्विसेज के सहयोग से डिजाइन की गई यह अत्याधुनिक सुविधा अपनी आकर्षक ज्यामितीय वास्तुकला और नवीन डिजाइन के लिए मान्यता प्राप्त हुई है। पंजाब के पटियाला शहर में बनी लर्निंग लेबोरेटरी तीन खास आकार के लाल आगरा पत्थर से बने टावरों

का एक शानदार समूह है। इसमें एक विज्ञान भवन, लाइब्रेरी और कक्षाएं हैं। ये टावर 10 मीटर ऊंचे चबूतरे पर खड़े हैं और बहुत सुंदर दिखते हैं। इमारत में कई मंजिलों वाले आंगन हैं जहां पत्थर की जाली से होकर धूप आती है। इसके अलावा, मजबूत निर्माण, छायादार डिजाइन और हवा के लिए खुली जगहें हैं। छत के नीचे तालाब बनाए गए हैं जो हवा को ठंडा रखते हैं, जिससे यहां का माहौल आरामदेह और स्थिर बना रहता है। स्थानीय पत्थर और तकनीकों का उपयोग करके निर्मित किया गया है। लाल आगरा का पत्थर धूप में बहुत खूबसूरत लगता है। इमारतों का आकार ऐसा है कि वे कैंपस में लोगों को रास्ता दिखाने में मदद करती हैं। पहली मंजिल पर एक चबूतरा है जो टावरों को और भी खास बनाता है। ये इमारतें इतनी बड़ी और खास हैं कि वे पहाड़ों जैसी लगती हैं। रिबा अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार दुनिया भर में उन प्रोजेक्ट्स को सम्मानित करते हैं जोइनोवेटिव आर्किटेक्चरल प्रोजेक्ट, शैली, जटिलता या बजट की परवाह किए बिना डिजाइन की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। इस वर्ष केवल 22 ट्रांसफर्मेटिव परियोजनाओं को विजेता के रूप में घोषित किया गया, जिनमें थापर विश्वविद्यालय की लर्निंग लेबोरेटरी भी शामिल है। साइमन हेनली और रिबा स्थानीय राजदूतों के नेतृत्व वाली जूरी द्वारा चयनित, विजेताओं को साइट पर मूल्यांकन के बाद घोषित किया गया।

सारेगामापा 2024 के ऑडिशन्स 3 अगस्त को मुंबई में

मुंबई। जी टीवी का जाना माना सिंगिंग रियलिटी शो सारेगामापा एक ताजातरीन नए सीजन के साथ वापस लौट रहा है! पिछले साल के सफल सीजन में हर हफ्ते टैलेंटेड सिंगर्स को जी म्यूजिक कंपनी पर अपने ओरिजिनल सिंगल्स रिलीज करने का मौका देकर उन्हें सिंगिंग सेंसेशंस बनाने के बाद, यह शो अब एक नए रोमांचक फॉर्मेट में लौट रहा है। इस बार कंटेस्टेंट्स को उनके मेंटर्स अच्छी तरह से ग्रूम करेंगे और अपने शिष्यों के म्यूजिकल सफर में पूरी लगन से शामिल रहेंगे। जहां संगीत जगत के सबसे बड़े कंपोजर्स इस प्रतिस्पर्धी माहौल में एक दूसरे के आमने-सामने होंगे, ऐसे में संगीत की उत्कृष्टता यकीनन अपनी चमक बिखेरेगी। सारेगामापा 2024 अपने ऑन-ग्राउंड ऑडिशन्स के लिए शनिवार 3 अगस्त को आपके शहर मुंबई में आ रहा है। तो यदि आप 15 वर्ष या इससे अधिक उम्र के हैं, तो यह आपके लिए वेन्यू पर आकर अपना टैलेंट दिखाने का एक शानदार मौका है। ऑनलाइन ऑडिशन्स पहले ही शुरू हो चुके हैं और आपको सिर्फ जी5 ऐप्प डाउनलोड करके संबंधित बैनर पर क्लिक करना है और अपनी एंट्रीज भेजनी है या फिर 8291829134 पर मिस्ड कॉल करना है। जहां कई शहरों में पहले ही ऑडिशन्स हो चुके हैं, वहीं अब जी टीवी इस सीजन के लिए मुंबई में अपना आखिरी ऑन-ग्राउंड ऑडिशन करने जा रहा है। यदि आप संगीत प्रेमी हैं और दुनिया को अपना टैलेंट दिखाना चाहते हैं तो वक्त आ गया है कि आप ऑडिशंस के लिए अपने नजदीकी शहर में आएं और इस भव्य रियलिटी शो का हिस्सा बनें। सारेगामापा का प्रीमियर जल्द ही जी टीवी पर होने जा रहा है। आप भी इस बेमिसाल सफर में हमारे साथ शामिल हो जाइए और कल के उभरते सितारों को सपोर्ट कीजिए।

06 को खुलेगा ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड (कंपनी) ने मंगलवार, 6 अगस्त, 2024 को अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव रखा है। तीन दिन का आईपीओ 8 अगस्त को बंद हो जाएगा। इस आईपीओ पर एंकर निवेशक पांच अगस्त को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। पुणे स्थित कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस के प्रस्तावित इश्यू में 1,666 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर और 5.44 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड के आईपीओ में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) की 28.06 लाख शेयर बेचने की योजना है। सॉफ्टबैंक संचालित एसवीएफ

फ्रॉग 20,318,050 शेयर बेचेगा। ओएफएस में भाग लेने वाले अन्य निवेशकों में पीआई अपॉर्चुनिटीज फंड, टीपीजी ग्रोथ और न्यूक्वेस्ट एशिया, एप्रिकॉट इन्वेस्टमेंट्स, सत्यधर्म इन्वेस्टमेंट्स, श्रोडर्स कैपिटल, सेज इन्वेस्टमेंट और प्रतीति इन्वेस्टमेंट शामिल हैं। एफव्हाई 24 में कंपनी ने परिचालन राजस्व में 15% की वृद्धि के साथ 6,481 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की जबकि इसी अवधि के दौरान घाटा 34% कम होकर 321 करोड़ रुपये हो गया। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में परिचालन से कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2022 के 2401 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 6,481 करोड़ रुपये हो गया है। मार्च 2024 के अंत तक कंपनी के पास 533 शहरों में 2.12 मिलियन वर्ग फुट से अधिक रिटेल स्पेस और 1,063 मॉडर्न स्टोर थे।

यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 06 को खुलेगा

मुंबई। यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड 6 अगस्त, 2024 (ऑफर) को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी। इक्विटी शेयरों के कुल ऑफर आकार में 25,608,512 इक्विटी शेयरों (बिक्री के लिए प्रस्ताव) तक की ऑफर फार सेल शामिल है, जिनमें से 9,438,272 इक्विटी शेयरों को ऐसवेक्टर लिमिटेड (जिसे पहले स्नैपडील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) (प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) द्वारा और एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड द्वारा 16,170,240 इक्विटी शेयर (निवेशक बिक्री शेयरधारक, प्रमोटर बिक्री शेयरधारक, विक्रय शेयरधारक) के साथ बिक्री के लिए ऑफर किया जा रहा है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर (बीआरएलएम) आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। ऑफर का उद्देश्य (i) बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 25,608,512 इक्विटी शेयरों की बिक्री करना और (ii) बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ((एनएसई बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने का लाभ प्राप्त करना है। (ऑफर का उद्देश्य)। एनएसई ऑफर के संबंध में नामित स्टॉक एक्सचेंज है। इक्विटी शेयरों के कुल ऑफर आकार में 25,608,512 इक्विटी शेयरों (बिक्री के लिए प्रस्ताव) तक की बिक्री की पेशकश शामिल है, जिनमें से 9,438,272 इक्विटी शेयरों को ऐसवेक्टर लिमिटेड (जिसे पहले स्नैपडील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) (प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) द्वारा बिक्री के लिए पेश किया जा रहा है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर (बीआरएलएम) के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

खास खबर

अंकिता और धीरज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस। भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोमादेवरा की जोड़ी यहां पेरिस ओलंपिक की मिश्रित स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। अंकिता और धीरज की जोड़ी ने इस मुकाबले में 5-1 से इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया। अंकिता और धीरज की भारतीय जोड़ी ने इस मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट 37-36 से जीता और 2 अंक लेकर शुरूआत की। वहीं दूसरे सेट में मुकाबला कठिन रहा और इंडोनेशियाई जोड़ी ने 38-38 स्कोर के साथ बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी को यहां 1 अंक मिला और उसका स्कोर तीन हो गया। इसके बाद अगले दौर में अंकिता और धीरज ने 38-37 से जीत हासिल करते हुए 2 अहम अंक हासिल कर अंतिम आठ में जगह बनायी।

स्वप्निल को मिलेगा एक करोड़ का इनाम

मुम्बई । पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को महाराष्ट्र सरकार एक करोड़ रुपये का इनाम देकर सम्मानित करेगी। स्वप्निल ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में कांस्य पदक जीता था। महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि स्वप्निल ने प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्वप्निल के स्वदेश लौटने पर उन्हें ये सम्मान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वप्निल के पदक जीतने के बाद उनके माता-पिता और कोच से बात कर पदक जीतने की बधाई दी है। शिंदे ने कहा, स्वप्निल के लिए महाराष्ट्र सरकार 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित करती है। स्वप्निल महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित कंबलवाडी गांव के रहने वाले हैं। स्वप्निल किसी भी एकल इवेंट में महाराष्ट्र के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 1952 के ओलंपिक में खशाबा दादासाहेब ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता था।

खलीफा के बाद यू-टिंग भी जेंडर टेस्ट में फेल

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में ताइवान की मुक्केबाज लि?न यू-टिंग को लेकर विवाद उठा है। इसका कारण ये है कि यू-टिंग जेंडर टेस्ट में फेल को गयी हालांकि, इसके बावजूद उन्हें अपना मुकाबला खेलने की अनुमति मिल गयी। यह ओलंपिक में पहला मामना नहीं है। इससे पहले अल्जीरि?या की ट्रांसजेडर बॉक्सर इमान खलीफा को लेकर भी विवाद उठा था। यू-टिंग अपना दूसरा मुकाबला खेल रही हैं वह 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की सिटोरा तुडीबेंकोवा से खेलेंगी। खलीफा और लिन दोनों ही पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में जेंडर एलिजिबिलिटी मानदंडों में विफल हो गयीं थीं। इसके बाद भी इन दोनो को महिला वर्ग में रखा गया है। लिन को महिलाओं के 57 किलोग्राम फेदरवेट वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं, उन्हें टडीबेंकोवा के साथ मुकाबले से पहले पहले दौर में बाई मिल गई है. लि?न ने पिछले साल एशियाई खेलोंमें जीत के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालि?फाई किया था। लिन साज 2018 में अपना पहला विश्व खिताब जीतकर 2013 में यूथ वर्ल्ड चैंपियन बनी थीं।

भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ग्रुप मैच में हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक में 52 साल बाद हराया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। भारत ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को म्यूनिख ओलंपिक 1972 में हराया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीमें पेरिस ओलंपिक के ग्रुप बी में हैं। वहीं बेल्जियम इस ग्रुप में अपने चारों मैच जीतकर पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया 9 अंक के साथ दूसरे और भारत 7 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। वहीं अर्जेंटीना के भी 7 अंक हैं. लेकिन वह गोल अंतर में पीछे होने के चलते चौथे नंबर पर है। आयरलैंड

और न्यूजीलैंड अपने चारों मैच हारा है और खिताबी रेस से बाहर हैं। भारत ने इस मैच में तेज शुरूआत की। ऑस्ट्रेलिया ने 10वें मिनट में जोरदार अटैक किया। उसे पेनाल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन भारत ने गोल नहीं होने दिया। भारत ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया। यह मैच का पहला गोल अभिषेक ने ललित के शॉट पर रिबाउंड पर किया। भारत ने इसके साथ ही 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने 13वें मिनट में एक गोल और किया। ये गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। पहले क्वार्टर का खेल खत्म होने पर भारत 2-0 से आगे रहा। यह पेरिस ओलंपिक में पहला मौका है, जब भारत ने किसी टीम के खिलाफ पहले क्वार्टर में दो गोल किए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने 19वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया. हालांकि, वह गोल नहीं कर सका. ऑस्ट्रेलिया ने 25वें मिनट में गोल कर दिया है। उसने इस गोल के साथ ही भारत की बढ़त कम कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह गोल थॉमस क्रेग ने किया। मैच का दूसरा क्वार्टर खत्म हुआ तो भारत 2-1 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत भी तेज हुई है। पहले ही मिनट में ऑस्ट्रेलिया बॉल लेकर भारतीय टीम में पहुंचा, पर गोल नहीं कर पाया. इसके एक मिनट बाद ही भारत ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया. ऑस्ट्रेलिया ने भारत के पेनाल्टी कॉर्नर को बचाने में गलती की। हरमनप्रीत का शॉट ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर के पैर से लगा और भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया। हरमनप्रीत ने इस पर गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। यह हरमनप्रीत सिंह का पेरिस ओलंपिक में छठा गोल है। ऑस्ट्रेलिया के गोवर्स ने अंतिम क्वार्टर में एक गोल किया पर भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया।

अगला ओलंपिक भी खेलना चाहते हैं ट्रैप निशानेबाज मार्टिनेज

एजेंसी

शेटराउ । पेरिस ओलंपिक में इस बार सबसे अधिक उम्र के ट्रैप निशानेबाज लियोनेल मार्टिनेज 28वें स्थान पर रहे हैं। मार्टिनेज ने 40 साल बाद इन खेलों में वापसी की है। 60 साल की उम्र में खेल रहे मार्टिनेज अगला ओलंपिक भी खेलना चाहते हैं । 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के बाद वह दूसरी बार इन खेलों में भाग ले रहे हैं। अगला ओलंपिक साल 2028 में लॉस एंजिल्स में खेला जाएगा और मार्टिनेज उसमें भी खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ह्यमेरे अंदर लॉस एंजिल्स 2028 खेलों में भाग लेने की इच्छा है। यह मेरे लिए भविष्य है। इसके लिए काम अभी शुरू होगा। मैं अपने शरीर और दिमाग से काम करूंगा क्योंकि निशानेबाजी 90 फीदसी मानसिक मजबूती पर आधारित है। मार्टिनेज ने कहा, मैं हर दिन जिम जाता हूं, मैं अपने शरीर को गतिशील बनाये रखता हूं। मैं उन बातों में भरोसा नहीं करता जो कहते हैं कि 40 या 50 साल की उम्र में आपको कुछ चीजें नहीं करनी चाहिए। यह उन लोगों के लिए सच हो सकता है जो इस पर विश्वास करते हैं, लेकिन मेरे लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है। अभी तक सबसे अधिक साल बाह ओलंपिक में वापसी का रिकार्ड जापान के घुड़सवार होकेत्सु हिरोशी के नाम है। हिरोशी ने टोक्यो 1964 ओलंपिक में उतरने के 44 साल बाद बीजिंग ओलंपिक 2008 में भाग लिया था।

जोकोविच ने स्वर्ण की उम्मीदें रखीं बरकरार

एजेंसी

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ यादगार वापसी करते हुए पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में सितसिपास पर 6-3, 7-6 से जीत हासिल करने के बाद जोकोविच ने अपने पहले ओलंपिक स्वर्ण की उम्मीदों को जीवित रखा है।
दूसरे सेट में, जोकोविच स्पष्ट रूप से असहज थे और उन्होंने अपने दाहिने घुटने के लिए दो बार फिजियो को बुलाया। अनुभवी टेनिस स्टार ने पहले सेट में आरामदायक जीत हासिल की। ??सितसिपास ने अपने मजबूत बैकहैंड खेल पर भरोसा किया, लेकिन जोकोविच के सटीक फोरहैंड शॉट्स ने उन्हें ग्रीस के टेनिस खिलाड़ी पर हावी होने दिया। शुरूआती सेट में 6-3 से जीत हासिल करने के बाद, जोकोविच ने अपने दाहिने घुटने में दर्द का अनुभव होने के बाद संघर्ष करना शुरू कर दिया। उपचार प्राप्त करने के बाद, सर्बियाई स्टार अपने मूवमेंट में अधिक आश्वस्त दिखे। उन्होंने 4-5 पर तीन सेट पॉइंट बचाए और अंत में दूसरा सेट 7-6 से जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया।सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के 11वें वरीय लोरेंजो मुसेट्टी होंगे, जिन्होंने मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर एक उल्लेखनीय उलटफेर किया। मुसेट्टी ने क्वार्टर फाइनल में जर्मन स्टार को 7-5, 7-5 से हराया। जोकोविच ने हाल ही में विंबलडन सेमीफाइनल में मुसेट्टी का सामना किया और लगातार तीन सेटों में जीत हासिल कर-के उन्हें हार का स्वाद चखाया। जोकोविच अगर इतालवी के खिलाफ अपना मुकाबला जीत जाते हैं और कार्लोस अल्काराज अपने अंतिम चार मैच जीतने में सफल हो जाते हैं, तो दोनों स्वर्ण पदक मैच में आमने-सामने होंगे।

धोनी ने बुमराह को बताया पसंदीदा गेंदबाज

एजेंसी

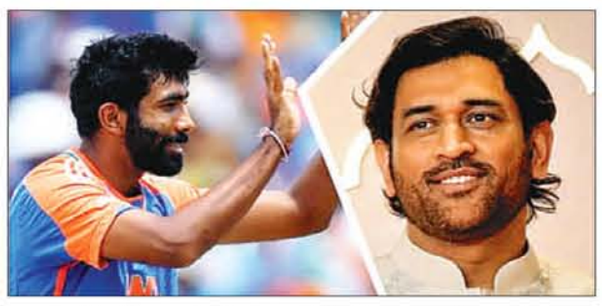

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि उनके पसंदीदा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह है। धोनी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बुमराह अभी के दौर के उनके सबसे पसंदीदा गेंदबाज हैं और वह उनकी गेंदबाजी देखने का आनंद उठाते हैं। वहीं धोनी ने कहा कि उनके लिए अपना पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है, क्योंकि वह बुमराह हैं पर बल्लेबाज चुनना कठिन है, क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है है कि हमारे गेंदबाज अच्छा नहीं कर है पर उनका मानना है कि इतने सारे बल्लेबाजों में से एक को चुनना कठिन है। वह किसी एक को नहीं चुनना चाहते। उम्मीद है कि वे सभी रन बनाते रहेंगे।
बुमराह की प्रशंसा आज दुनिया के कई दिग्गज क्रिकेटर करते हैं। उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई है। टी20 विश्वकप में वह अर्शदीप सिंह के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 8 मैचों में कुल 15 विकेट लिए पर उनका इकॉनमी रेट सबसे बेहतर रहा। उन्होंने पूरे विश्व कप टूर्नामेंट के दौरान केवल 4.17 के इकॉनमी रेट से रन दिये जबकि टी20 क्रिकेट में ऐसा करना काफी कठिन माना जाता है।

श्रीलंकाई टीम को खेल के हालातों को समझना होगा : जयसूर्या

एजेंसी

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों को जीत दर्ज करने के लिए खेल के प्रति जागरुकता बढ़ानी होगी। जयसूर्या के अनुसार उनकी टीम भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी और उसने एक के बाद एक विकेट खोये। उनके बल्लेबाजों ने कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट खोये जिससे टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा है। जयसूर्या ने कहा, मुझे टीम में प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती पर उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। उन्हें मैच के हालातों को लेकर अपनी समझ बेहतर करनी होगी। हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं। आप इससे दूर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा। जयसूर्या ने कहा कि बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की जरुरत नहीं है क्योंकि हमारे मैदान बड़े है और चौके तथा दो रन दौड़कर लेने से भी स्कोर बना जाता है। उन्होंने कहा, ह्यजब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको उसकी जरुरत है। अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लेते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपको जरूरत है।

कार हादसे में बाल-बाल बचीं गोल्फर दीक्षा

पेरिस। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर पेरिस में एक कार हादसे में बाल-बाल बची हैं। यहां ओलंपिक में भाग लेने गयीं दीक्षा की कार को अन्य गाड़ी ने टक्कर मार दी हालांकि इसमें दीक्षा पूरी तरह से सुरक्षित हैं और वह तय कार्यक्रम के अनुसार अपनी स्पर्धा में भाग लेंगी। इस कार में दीक्षा अपने परिवार के साथ थीं। इंडिया हाउस में एक समारोह से लौटते समय एक अन्य वाहन उनकी कार से टकरा गया। उनके पिता कर्नल डागर के अनुसार दीक्षा ठीक हैं और सात अगस्त से तय कार्यक्रम के अनुसार ही स्पर्धा में उतरेंगी और वह अभ्यास के लिए भी जा रही हैं पर दीक्षा की मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया है क्योंकि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी है।

भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी आसान नहीं

एजेंसी

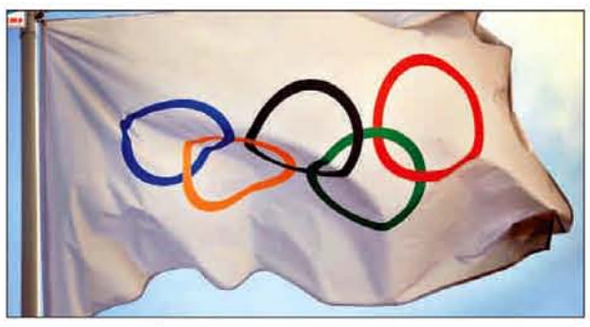

नई दिल्ली । भारत साल 2036 में ओलंपिक मेजबानी करना चाहता है पर ये इतना आसान नहीं है। ओलंपिक में दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेते है। ऐसे में इसके आयोजन और इंतजामों पर हजारों करोड़ रुपये का खर्च आता है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की देखरेख में एक कमेटी ओलंपिक आयोजन के सपने को पूरा करने की तैयारियां कर रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो भारत 2036 ओलंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश करेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस ओलंपिक 2024 की मेजबानी पर 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपये) का खर्च आने की उम्मीद है। हालांकि यह बस अनुमान है। दरअसल, ओलंपिक खेलों में स्टेडियम और खेल सुविधाओं के विकास के साथ पर्यटन, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं के विस्तार पर मोटा खर्च आता है। ऐसे में छोटे देशों के लिए इसकी मेजबानी करना संभव नहीं होता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अनुसार, खेलों की मेजबानी से अधिक नौकरियां पैदा होती हैं। मेजबान देश में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और शहर को आर्थिक लाभ मिलता है। कम से कम 1960 के बाद से हर ओलंपिक मेजबान ने योजना से ज्यादा खर्च किया है। हर ओलंपिक खेलों का कैलेंडर लगभग सात साल पहले तय किया जाता है, चाहे उस समय की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हालांकि, कुल खर्च और कमाई के बारे में पारदर्शिता बहुत कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन ओलंपिक 2012 पर 16.8 बिलियन डॉलर (89,000 करोड़), रियो ओलंपिक 2016 पर 23.6 बिलियन डॉलर (1.55 लाख करोड़) और टोक्यो ओलंपिक 2020 पर 13.7 बिलियन डॉलर (1.04 लाख करोड़ रुपये) खर्च हुए थे। इन आंकड़ों को देखकर ये साफ है कि जिस देश को भी ओलंपिक की मेजबानी करनी होगी उसे एक मोटी रकम खर्च करनी होगी। इसलिए भारत को मेजबानी करनी है, तो एक मोटी रकम जोड़नी होगी। सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए भारत ओलंपिक की मेजबानी के लिए एक मजबूत दावेदार है। लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी और एक मजबूत रणनीति तैयार करनी होगी।

बलराज पंवार पुरुष एकल स्कल्स में 23वें स्थान पर रहे

एजेंसी

पेरिस। भारत के बलराज पंवार शुक्रवार को फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद पेरिस 2024 ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिता में पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे। पेरिस 2024 में एकमात्र भारतीय नाविक बलराज ने 7:02.37 का समय निकाला, जो पेरिस 2024 में उनका सर्वश्रेष्ठ समय था। मोनेगास्क रोवर क्वेंटिन एंटोगनेली ने 6:54.93 के साथ फाइनल डी जीता। हालाँकि पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में बलराज की अंतिम स्थिति, जिसमें 33 नाविकों ने प्रतिस्पर्धा की थी, कागज पर बहुत प्रभावशाली नहीं दिखती, लेकिन हरियाणा के भारतीय सेना के जवान ने अपने पूरे अभियान में लगातार प्रगति दिखाई। पिछले शनिवार को बलराज ने 7:07.11 का समय लेकर हीट 1 में छह रोवर्स के बीच चौथा स्थान हासिल किया था, लेकिन रविवार को रेपेचेज 2 हीट में 7:12.41 के साथ दूसरे स्थान पर आने के बाद रेपेचेज के माध्यम से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को अपनी क्वार्टर फाइनल रेस में बलराज 7:05.10 का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे और पदक की दौड़ से बाहर हो गए। चूंकि ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिताओं में सभी नौकाओं को रैंक दी गई है, बलराज ने 13 से 24वें स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए सेमीफाइनल सी/डी में प्रवेश किया। बलराज, जो पिछले साल एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गए थे, ने अप्रैल में कोरिया गणराज्य के चुंगजू में एशियाई और ओसियनियन रोइंग ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीतकर भारत के पेरिस 2024 दल में अपना स्थान अर्जित किया।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सात करोड़ डॉलर का बजट मंजूर

एजेंसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए बजट की घोषणा कर दी है। आईसीसी की कोलंबो में जो सालाना बैठक के बाद ये घोषण की गयी है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए करीब सात करोड़ डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की वित्त और वाणिज्य कमेटी ने इस बजट को मंजूरी दी। इसमें अनुमानित बजट करीब सात करोड़ डॉलर का है और केवल 45 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च के लिए आवंटित किए गए हैं। वहीं कुल बजट और अतिरिक्त खर्च रकम को लेकर आईसीसी की पिछली बैठक में ये अटकलें लगायी जा रहीं थी कि अगर भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं आती है तो बैकअप कोष रखा जाएगा। इसके लिए 45 लाख डॉलर काफी कम बताये जा रहे हैं।वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अपने कार्यालय और साथी सहकर्मियों को सलाह दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के अपनी टीम भेजने को लेकर कोई भी बयान नहीं दें। पीसीबी प्रमुख ने इस मुद्दे पर खुद और अन्य अधिकारियों के लिए एक नीति अपनाई है कि इस पर टिप्पणी नहीं की जाए और आईसीसी को ही इसे संभालने दिया जाए। इसलिए ही हाल के दिनों में नकवी या किसी अन्य बोर्ड अधिकारी की ओर से इस बारे में कोई टिप्पणी या बयान नहीं आया है कि अगर भारत अपनी टीम पाक नहीं भेजता है तो क्या होगा।

हार से सिंधु का लगातार तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना टूटा

एजेंसी

पेरिस । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ओलंपिक में तीसरी बार पदक जीतने का रिकार्ड बनाने में असफल रही हैं। सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें चीन की हे बिंग जियाओ के हाथों दो गेमों में 21-19 और 21-14 से लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ये पहली बार बार है जब सिंधु ओलंपिक से खाली हाथ वापस लौट रही हैं। इससे पहले उन्होंने दो ओलंपिक खेले थे और दोनों में ही पदक जीते थे। सिंधु अगर पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो वह ओलंपिक के इतिहास में लगातार तीन पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी जाती पर हार के साथ ही उनका ये सपना टूट गया। सिंधु ने ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था। सिंधु और बिंग जियाओ के खिलाफ मुकाबला तकरीबन एक घंटे तक चला। मुकाबले में सिंधु की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उन्हें कुछ गलतियां की वहीं जियाओ ने कुछ सटीक स्मैश लगाए जिससे चीन की खिलाड़ी 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। सिंधु को कोर्ट पर मूवमेंट में दिक्कत हो रही थी और उन्होंने कुछ शॉट बाहर मारकर चीन की खिलाड़ी को 7-2 की बढ़त बनाने का मौका दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ अच्छे अंक जुटाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन जियाओ ब्रेक तक 11-8 से आगे रहीं। सिंधु ने चीन की खिलाड़ी पर दबाव बनाया।
तीन बेहद करीबी अंक मिलने से सिंधु 12-12 पर बराबरी हासिल करने में सफल रहीं। बिंग जियाओ ने सिंधु के शरीर पर स्मैश के साथ 19-17 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 19-19 किया। चीन की खिलाड़ी ने लाइन पर शॉट मारकर एक गेम अंक हासिल किया और फिर लंबी रैली के बाद क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ पहला गेम 30 मिनट में 21-19 से जीत लिया।
दूसरे गेम में भी बिंग जियाओ ने अपने स्मैश से सिंधु को परेशान किया और लगातार छह अंक के साथ 8-2 की बढ़त बनाकर मुकाबला जीत लिया।

यदि पहला सेट जीत जाती तो नतीजा कुछ और होता : सिंधु

पेरिस। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु का मानना है कि अगर वह पहला सेट जीत जातीं तो पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टरफाइनल का परिणाम अलग हो सकता था। छठी वरीयता प्राप्त चीनी शटलर ही बिंग जियाओ के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल स्पर्धा में उनका अभियान सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हार के साथ समाप्त हुआ। पहला सेट काफी करीबी मुकाबला था, भले ही जियाओ ने सेट के शुरूआती चरणों में अच्छी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। शुरूआती सेट का निर्णायक क्षण तब आया जब सिंधु ने 20वें अंक के लिए निर्णय को चुनौती दी। शटलकॉक लाइन पर आ गया, जिससे चीनी शटलर को गेम में आगे बढ़ने का मौका मिल गया। जियाओ ने पहला सेट और अंततः गेम अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिंधु ने महसूस किया कि अगर वह पहला सेट जीत जाती तो नतीजा अलग हो सकता था।

पेरिस ओलंपिक में क्रोएशिया की डोना विकिक मैच में अंक मिलने पर खुशी प्रकट करती हुई।

विमान का विकल्प बनीं हाई-स्पीड ट्रेनें

विमानतलों और हाईवे पर तेजी से बढ़ती भीड़ ने कई देशों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि विमान का अगला विकल्प क्या। हाई-स्पीड ट्रेनें इसके विकल्प के रूप में सामने आईं और अब आगे के 10 साल तमाम देश इसी पर काम करने वाले हैं। 300 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनें अमेरिका, योरप और जापान में तेजी से अपनाने की तैयारी है।

इन ट्रेनों को मेगलेव ट्रेन भी कहा जाता है, क्योंकि इनके चलने पर पटरियों और इनके बीच में एक चुंबकीय क्षेत्र बनता है इसीलिए इसे मेग्नेटिक लेविटेशन कहा जाता है। इसका ट्रेक जमीन पर 2 से 5 फुट जमीन के भीतर रहता है। यही मेगलेव का कमाल है। यह ट्रेन को लॉक कर देता है।

इस पर दारोमदार

सारा खेल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड का रहता है। इसमें साधारण चुंबक लगते हैं। इस मेगलेव को मुड़ने में करीब 50 मीटर की गोलाई की जरूरत होती है। जनरल ऑटोमिक्स नामक कंपनी पिछले तीन साल से इस पर सेन डिएगो में काम किया। इसके लिए विशेष तरह की पटरियां बनाई गई।

नस-नस में बिजली

ट्रेन के ऊपर लगी बिजली की लाइनों से उसे 12 से 25 किलोवॉट तक की बिजली प्रदान की जाती है। इसे पेंटोग्राफ द्वारा पारेषित किया जाता है। इसके अलावा हाई स्पीड ट्रेन में एसी ट्रेक्शन मोटर लगती है। जहां तक पटरियों का सवाल है तो ट्रेन इससे जुड़ी तो होती है, लेकिन वह लॉक कर दी जाती है। चूंकि मोड़ पर भी ट्रेन की गति कम नही होती इसके लिए इसमें हायड्रोलिक टिल्टिंग मैकेनिज्म प्रयुक्त किया जाता है।

ट्रेन और विमान का अंतर

ट्रेनों की गति इतनी है तो विमान से तुलना करना लाजमी है। यह आकलन भी प्रस्तुत किया जा रहा है कि ट्रेन में एक निश्चित यात्रा समय में कितनी ऊर्जा लगती है और विमान में कितनी लगती है। साथ ही उत्सर्जन का अंतर भी दिया गया है।

क्या भारत में चल पाएगी बुलेट ट्रेन?

दुनिया के कई देशों में ट्रेनें 250-300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं लेकिन भारत में ट्रेनें इसकी आधी गति को भी नहीं छू पाई हैं। हालांकि अब भारत सरकार ने ट्रेनों की रफ्तार को बढ़ाने के लिए उपाय करने शुरू किए हैं। भारतीय रेल अधिकारियों के अनुसार देश में सबसे तेज ट्रेन इस समय भोपाल शताब्दी है जो दिल्ली और आगरा के बीच कहीं-कहीं 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है। भारत की तेज गति की मानी जाने वाली शताब्दी ट्रेनें 70 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत रफ्तार से ही चल पाती हैं। भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है लेकिन रफ्तार के मामले में वो बहुत पीछे है।

क्यों है भारत पीछे?

रेलवे विश्लेषकों का कहना है कि भारत को चीन, जापान और अन्य देशों के आस-पास पहुंचने में 15 साल से अधिक लग सकते हैं लेकिन मौजूदा ट्रैकों में बदलाव करने के बाद इनकी गति को 200 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। लेकिन सवाल ये है कि भारत के बाकी देशों से इतना पिछडने का आखिर कारण क्या है? रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन का कहना है कि भारत इतना खर्च बर्दाश्त ही नहीं कर सकता। पहले सुरक्षा देखनी होती है। हमारे लिए वक्त इतना कीमती नहीं है। उनका कहना है कि भारत की धीमी चलने वाली ट्रेनों का कारण यहां के ट्रैक हैं। तेज गति के लिए जरूरी है कि मोड़ तीखे न हों, साथ में ये भी कि कोई मानवरहित फाटक न हों।

ट्रेन में ऐसा

- यात्रा का समय- 2 घंटे 54 मिनट (मेगलेव), 4 घंटे 35 मिनट स्टील के पहियों पर।
- प्रति यात्री मील पर प्रयुक्त ऊर्जा- 1180 बीटीयू (मेगलेव में), 1200 बीटीयू स्टील के पहियों वाली ट्रेन में।
- प्रति यात्री मील कार्बन डायऑक्साइड उत्सर्जन- 0.47 पाउंड (मेगलेव), 0.48 पाउंड (स्टील व्हील पर)

विमान में ऐसा

- यात्रा का समय- 2 घंटे 20 मिनट (इसमें 1 घंटे पहले का चैक इन समय शामिल)
- प्रति यात्री मील प्रयुक्त ऊर्जा-3264 बीटीयू
- प्रति यात्री मील कार्बन डायऑक्साइड उत्सर्जन- 1.06 पाउंड (बीटीयू यानी ब्रिटिश थर्मल यूनिट 1 बीटीयू द करीब 1056 जूल)

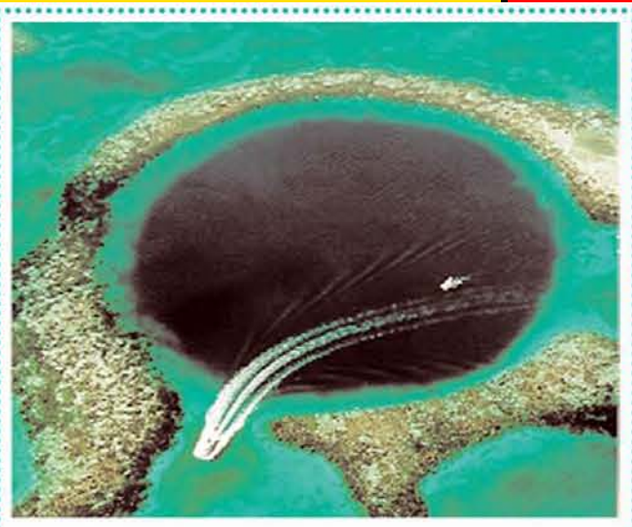

स्कूबा डाइविंग के लिए पॉपुलर

ग्रेट ब्लू होल एलियंस भी आ चुके हैं नजर

मध्य अमेरिका के बेलीज शहर से 100 किलोमीटर दूर लाइटहाऊस रीफ के पास है यह खूबसूरत ग्रेट ब्लू होल। 300 मीटर में फैला यह गोलाकार, अंडरवॉटर सिंकहोल 124 मीटर गहरा है। एकदम साफ पानी होने से यह जगह दुनिया के शीर्ष 10 स्कूबा डाइविंग डेस्टिनेशन्स में से है। यहां की खूबसूरत मरीन लाइफ बैलिज बैरियर रीफ रिजर्व सिस्टम का हिस्सा है, जिसे यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित कर दिया है। ग्रेट ब्लू होल उस केव सिस्टम का नतीजा है, जो हजारों साल पहले निचले समुद्र तल की वजह से बना था। यहां मौजूद कैल्शियम की कंदराओं की से पता चला कि यह 15 हजार साल पुरानी है। ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ से प्रेरित होकर ब्रिटिश डाइवर और ऑथर नेड मिडिलटन ने इस जगह को ग्रेट ब्लू होल नाम दिया है। बता दें कि इस होल के पास कई बार एलियंस के यूएफओ देखे जाने की खबरें भी आती रही हैं। आखिरी बार साल 2012 में यूएफओ दिखाई देने की खबर आई थी।

छा रही है चीनी बुलेट ट्रेन

जर्मनी के उद्यम चीन के बाजार में आसान प्रवेश की मांग कर रहे हैं तो चीनी कंपनियां यूरोपीय बाजार में सेंध लगा रही हैं। हाई स्पीड ट्रेन के निर्माता पश्चिम में उत्पाद बेच रहे हैं और इससे यूरोपीय कंपनियां प्रभावित होंगी। पहले उत्पादन का गढ़ और कम तकनीकी क्वालिटी और सस्ती मजदूरी पर निर्भर उत्पादों के लिए जाना जाने वाला चीन अब बेहतरी की ओर बढ़ रहा है और उच्च तकनीकी उत्पादों का निर्यातक बनता जा रहा है। यह बदलाव हाई स्पीड ट्रेन के बाजार में भी देखा जा सकता है। जब चीन ने एक दशक पहले देश भर में हाई स्पीड रेल नेटवर्क बनाने का फैसला किया तो वहां इनके उत्पादन का कोई ढांचा नहीं था। उसे जर्मन कंपनी सीमेंस, फ्रांसीसी कंपनी आलस्ट्रोम और जापानी कंपनी कावासाकी से ट्रेन का आयात करना पड़ा।

लेकिन अब चीनी कंपनियों ने तेज गति रेलगाड़ी बनाने की तकनीक में महारत हासिल कर ली है और विदेशों में बाजार खोज कर स्थापित कंपनियों को टक्कर दे रहे हैं। चीन का साउथ लोकोमोटिव एंड रोलिंग स्टॉक कॉरपोरेशन एशिया की सबसे बड़ी ट्रेन निर्माता है। उसने हाल ही में मेसेडोनिया को छह बुलेट ट्रेन बेचने का करार किया है। रोमानिया और हंगरी जैसे देशों में उसने हाई स्पीड रेल लाइन बनाने का भी समझौता किया है। चीन एशिया और अफ्रीका के देशों में भी तेज गति रेल तकनीक बेचने की कोशिश कर रहा है।

खरीदार से विक्रेता

चीन की इस योजना के पीछे बहुत व्यापक निवेश भी है। उसने बुलेट ट्रेन के घरेलू ढांचे के निर्माण पर अब तक 50 करोड़ डॉलर खर्च किया है। हालांकि घूसखोरी के आरोपों और बड़ी दुर्घटना के कारण इसकी गति धीमी हुई थी, लेकिन अब वह फिर से जोर पकड़ रहा है। आधुनिक रेल ढांचे के निर्माण की योजना के तहत उसने देश भर में 11,000 किलोमीटर हाई स्पीड रेल लाइन बिछाई है। पहले उसने विदेशी कंपनियों से ट्रेन और संबंधित तकनीक खरीदी लेकिन इस बीच चीनी इंजीनियर 350 से 400 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली गाड़ियां बना रहे हैं। हालांकि चीन पर विदेशी तकनीकी की चोरी का आरोप लगाया जाता है लेकिन चीन इसे पुनर्आविष्कार का नाम देता है। विदेशी मामलों के लिए यूरोपीय परिषद के चीन विशेषज्ञ थोमस कोएनिष कहते है कि संयुक्त उद्यम के जरिए विदेशी तकनीक पाना विश्व भर में मान्य प्रथा है और मुझे शक है कि यह कोई विशिष्ट चीनी रवैया है। इतना ही नहीं घरेलू उत्पादन बढ़ाने से उत्पादन का खर्च घटा है जिसकी वजह से चीनी कंपनियां जर्मनी और फ्रांस के प्रतिस्पर्धियों से बेहतर स्थिति में हो गए हैं।

प्रतिस्पर्धा के मौके

प्रतिस्पर्धा का मामला सिर्फ ट्रेन के बाजार तक सीमित नहीं। यूरोपीय संघ के सुरक्षा शोध संस्थान की एशिया एक्सपर्ट निकोला कासारिनी बताती हैं कि जैसे जैसे चीनी उत्पाद यूरोपीय उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, यूरोप चीन से पिछड़ रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि सीमेंस जैसी कंपनियों की तुलना में चीन की सरकारी रेल कंपनियों को निवेश की गारंटी का फायदा है। कोएनिष कहते हैं कि चीन ने बाजार की संभावना को काफी पहले पहचान लिया है और उसका फायदा उठा रहा है। उभरते बाजारों में तेजी से बढ़ती आबादी और लोगों के शहरों में जाने की वजह से हाई स्पीड ट्रेनों की मांग अगले दो दशकों में और बढ़ेगी। भारत, रूस और ब्राजील जैसे देश अपनी तेज गति रेल परियोजनाओं पर बहस कर रहे हैं। भारत सरकार भी इस तरह की परियोजना पर काम कर रही है। विकसित देशों में जहां तकनीकी और सुरक्षा के अच्छे रिकॉर्ड रहे हैं, यूरोपीय कंपनियों को बाजार में बड़ा हिस्सा मिलता रहेगा। लेकिन चीन की कंपनियां विकासशील देशों में महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी बन जाएंगी। आर्थिक विश्लेषक राजीव विश्वास कहते हैं, यूरोपीय कंपनियों के पास चीन से प्रतिस्पर्धा के भरपूर मौके होंगे यदि वे उत्पादन खर्च, तकनीक और वित्त जैसे मुख्य इलाकों में प्रभावी तरीके से रणनीति बना पाते हैं। यूरोपीय कंपनियों को विकासशील देशों में सहयोगी कंपनियों के साथ साझा उद्यम बनाने जैसे कदम उठाने होंगे ताकि उत्पादन का खर्च घटाया जा सके।

अनोखा वॉटरफाल केव ऑफ दि थ्री ब्रिजेस

लेबनान में लकलुक और तन्नौरिन शहर के बीच बाला गांव में यह गुफा 1952 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक हेनरी कोएफैत ने खोजी थी। गुफा के साथ ही ऊंचा वाटरफॉल भी है, जो पर्यटकों को आकर्षित करता है। अध्ययनों के बाद 1980 के दौर में इस गुफा को केव ऑफ दि थ्री ब्रिजेस नाम दिया गया। यहां 330 फीट ऊंचे लेबनान माउंटेन से नीचे तीन प्राकृतिक पुल हैं। वहां से पानी 820 फीट नीचे गहरी खाई में गिरता है। केवल मार्च और अप्रैल महीने में दिखाई देने वाले इस दृश्य के लिए लोग पहले से बुकिंग कराते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इन दो महीनों में यहां के पहाड़ों पर बर्फ पिघलती है और मनोरम दृश्य बनता है।

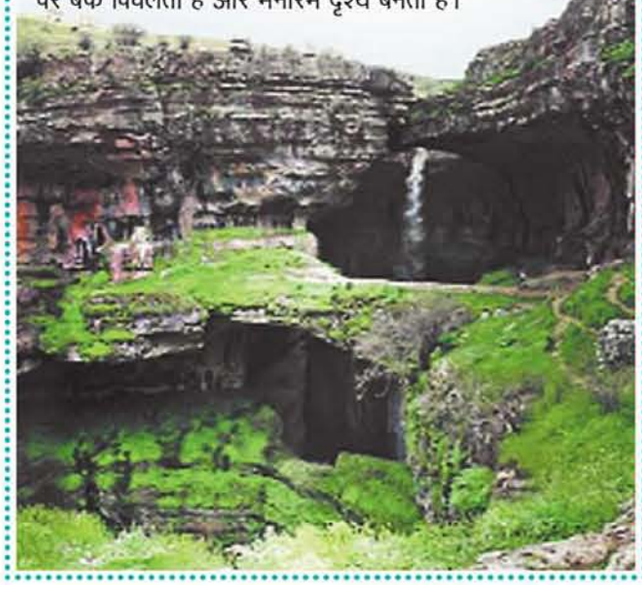

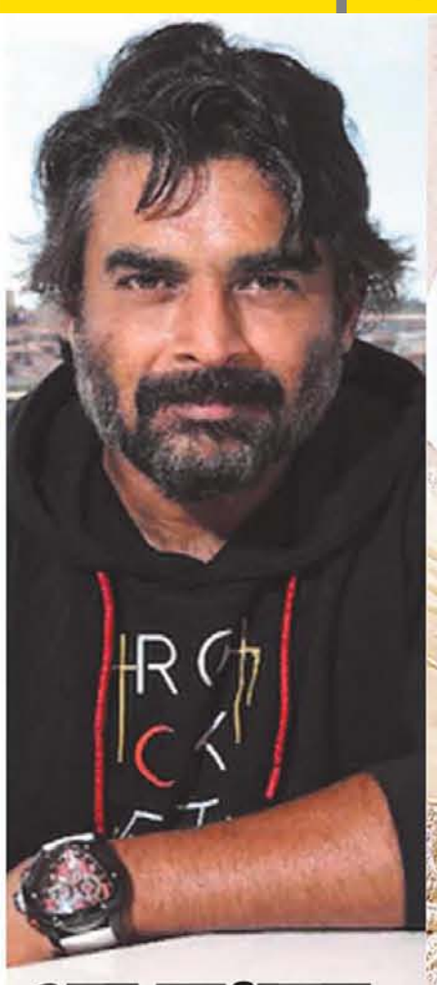

आर माधवन निभाएंगे अजीत डोभाल का किरदार

जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज ने पुष्टि की कि उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक (2019) के निर्देशक आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल होंगे। इन पांचों अभिनेताओं और आदित्य धर की एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर निर्माताओं द्वारा जारी की गई थी और यह चर्चा का विषय बन गई थी। यह फिल्म पिछले हफ्ते 25 जुलाई को फ्लोर पर भी आई थी। प्रेस रिलीज़ में यह नहीं बताया गया कि फिल्म किस बारे में है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक पीरियड एक्शन थ्रिलर है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक परिदृश्य की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जल्द ही, कयास लगाए जाने लगे कि रणवीर भारत के वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की युवावस्था में भूमिका निभाएंगे। फिल्म में अजीत डोभाल के जीवन को दिखाया गया है, लेकिन रणवीर इस किरदार को नहीं निभाएंगे। बॉलीवुड हंगामा को एक सूत्र ने बताया, आर माधवन इस प्रतिष्ठित भूमिका को निभा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक काफी अलग और अलग होगा और यह कुछ ऐसा है जिसे लेकर रणवीर काफी उत्साहित हैं। हमेशा की तरह, वह इस भूमिका में भी अपना दिल और आत्मा लगा रहे हैं। निर्माताओं को पूरा भरोसा है कि यह देखने लायक है। हालांकि सूत्र को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि किरदार का नाम अजीत डोभाल होगा या यह उस व्यक्ति से प्रेरित होगा। साथ ही, रणवीर सिंह द्वारा निभाए जाने वाले किरदार के बारे में भी कोई विवरण उपलब्ध नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि यह दूसरी बार है जब आदित्य धर अपनी फिल्म में अजीत डोभाल को दिखाएंगे। उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में, परेश रावल का किरदार गोविंद भारद्वाज अजीत डोभाल पर आधारित था। निर्माताओं द्वारा दी गई प्रेस विज्ञप्ति से यह भी स्पष्ट होता है कि आम धारणा के विपरीत, फिल्म का नाम धुरंधर नहीं है। फिल्म, अभी तक, बिना शीर्षक वाली है। इसका निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे ने लोकेश धर और आदित्य धर के साथ मिलकर अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है।

कैटरीना से तुलना पर अच्छा लगा, मगर बाद में उलटा पड़ गया

जरीन खान ने 14 साल पहले, जब बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था तो उनकी तुलना कैटरीना कैफ से की जाती थी। लोग कहते थे कि उनका चेहरा कैटरीना कैफ से मिलता है। एक लंबा वक्त बीत जाने के बाद अब जरीन खान ने कैटरीना से होने वाली इस तुलना और अपने फिल्मी करियर को लेकर खुलकर बात की है। जरीन खान साल 2010 में वीर फिल्म से अपना डेब्यू किया था। इसमें सलमान खान भी मुख्य भूमिका में थे। हाल ही में, भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में नजर आईं जरीन खान ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जब शुरू-शुरू में उनकी तुलना कैटरीना कैफ से होती थी तो वो बहुत खुश थीं। हालांकि, बाद में हालात एकदम बदल गए। जरीन खान का मानना है कि कैटरीना कैफ से तुलना होना उनके लिए उलटा पड़ गया। जरीन ने कहा कि उनका वजन ज्यादा हुआ करता था और कैटरीना से तुलना किया जाना बड़ी बात थी, मगर चीजें एकदम बदल गई थी। उन्होंने कहा कि सलमान खान ने उन्हें लॉन्च किया था और वो निर्माताओं और निर्देशकों को उनके चेहरे के बजाय केवल नाम से ही जानती थीं, जिससे फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को लगता था कि वो घमंडी हैं। आलोचना कम होने का नाम नहीं ले रही थी। जरीन खान के कपड़ों और उनके वजन पर नकारात्मक टिप्पणियां की गई थी, जिसके चलते एक वक्त ऐसा आया कि जरीन खान को घर से बाहर निकलने में भी डर लगने लगा था। बता दें कि जरीन खान पिछली बार फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में नजर आई थीं। इसमें अंशुमान झा ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। जरीन खान ने हाउसफुल 2, हेट स्टोरी 3, अक्सर 2, 1921 और डोओएः डैथ ऑफ अमर समेत कई फिल्मों में काम किया है। जरीन खान को साल 2022 में ईद हो जाएगी गाने में भी देखा गया था। उन्होंने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और पंजाबी फिल्म में भी अभिनय किया है।

छठी मैया की बिटिया में छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा। सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहाः जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए। उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।
उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा। उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी।

CITADEL HONEY BUNNY

वरुण धवन-सामंथा रुथ की सिटाडेल हनी बनी 7 नवंबर को होगी रिलीज

आगामी जासूसी एक्शन स्ट्रीमिंग शो सिटाडेल हनी बनी इस साल 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगा। शो की रिलीज की तारीख का खुलासा गुरुवार को मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में महबूब स्टूडियो में एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और शो में उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु भी शामिल हुई। वरुण ने बताया कि शो के निर्माताओं ने उन्हें सख्त निर्देश दिए थे कि यह शो उनका एकमात्र फोकस है और वह कोई अन्य प्रोजेक्ट या फिल्म भी नहीं कर सकते। सिटाडेल हनी बनी वैश्विक श्रृंखला सिटाडेल का भारतीय संस्करण है। मूल शो में प्रियंका चोपड़ा जोनास और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में थे। वरुण ने यह भी खुलासा किया कि वह थोड़ा हैरान थे क्योंकि उन्हें लगा था कि चूंकि यह प्राइम वीडियो शो है इसलिए इसमें बहुत ही भव्य सेट होंगे। हालांकि, शूटिंग मुंबई के ठाणे और भांडुप इलाकों में सड़कों पर हुई। उन्हें बताया गया था कि शो की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अभिनेता ने यह भी बताया कि बदलापुर के बाद यह उनके करियर में दूसरा मौका है जब वह किसी डार्क कहानी का हिस्सा हैं। सिटाडेल हनी बनी में के के मेनन भी हैं। इससे पहले वरुण धवन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में कहा था कि वह 1 अगस्त को अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। यह शो 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर आएगा।

एंग्जाइटी से जूझ रही हैं माही विज

माही विज टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। माही विज भले ही छोटे पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। माही सोशल मीडिया पर अपने परिवार की तस्वीरें और वीडियोज साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में, फिल्मीज्ञान के साथ एक बातचीत में माही ने खुलासा किया कि वह एंग्जाइटी से जूझ रही हैं। पॉडकास्ट में माही ने खुलासा किया कि वह इससे जूझ रही हैं और उन्होंने कॉफी पीना बंद कर दिया है। अभिनेत्री के इस खुलासे के बाद उनके फैंस काफी हैरान हो गए हैं।

माचिस से लेकर हैदर तक, तब्बू ने इन फिल्मों में दिखाई दमदार अदाकारी

तब्बू की गिनती भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की दमदार अदाकाराओं में होती है। अपने अभिनय से उन्होंने लोगों के दिलों मे खास जगह बनाई है। 90 के दशक से लेकर अब तक उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक किरदार निभाए हैं। वह जल्द ही औरों में कहां दम था नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह अजय देवगन के साथ दिखेंगी। ट्रेलर को देखने को बाद फैंस तब्बू से इस फिल्म में एक बार फिर शानदार अदाकारी की उम्मीद जता रहे हैं। आज हम आपको तब्बू की उन पांच फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। तब्बू के करियर की सबसे अहम फिल्मों में माचिस का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में उनके अलावा चंद्रचूड़ सिंह, ओम पुरी, जिमी शेरगिल भी नजर आए थे। फिल्म में तब्बू की अदाकारी ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। फिल्म का निर्देशन गुलजार ने किया था। प्राइम वीडियो पर इस फिल्म को देखा जा सकता है। माचिक के बाद तब्बू की फिल्म विरासत ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म में उनके साथ अनिल कपूर, पूजा बत्रा और अमीश पुरी भी थे। इस फिल्म में तब्बू ने अपनी अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे। विरासत के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स अवॉर्ड भी मिला था। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है। मधु भंडारकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2001 में रिलीज हुई थी। इस क्राइम ड्रामा फिल्म में तब्बू ने दमदार अदाकारी से लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ी थी। उनकी एक्टिंग को दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी पसंद किया था। इस फिल्म के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता था। यह फिल्म प्राइम वीडियो के साथ यूट्यूब पर भी उपलब्ध

जब काम नहीं था तब सलमान ने मुझे सहारा दिया

निर्देशक निखिल आडवाणी ने अपने करियर की शुरुआत यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस के साथ किया था। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म कल हो ना हो का निर्देशन किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने सलमान खान के साथ अपने रिश्तों के बारे में बातें करते नजर आए। निखिल आडवाणी सलमान खान के बारे में बातें करते हुए कहते हैं, जब मेरे पास काम नहीं था तब सलमान खान ने मुझसे कहा था कि मैं आकर उनसे मिलूं। वे सच में बॉलीवुड के मसीहा हैं। उन्होंने मुझे तब सहारा दिया था जब मेरे पास काम नहीं था। निखिल आडवाणी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं सलमान खान की सराहना करता हूं। मैंने उनके कहने पर ही सूरज पंचोली की फिल्म हीरो का निर्देशन किया था। वे एक शानदार इंसान हैं। निखिल आडवाणी बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के संग काम कर चुके हैं। वे अक्षय कुमार के बारे में बात करते हुए कहते हैं, उन्होंने मुझे सामने से कॉल करके पूछा था कि मैं इन दिनों क्या कर रहा हूं। वे मेरे साथ फिल्म करना चाहते थे और तब मैंने उनके साथ मिलकर पटियाला हाउस का निर्माण किया था। निखिल आडवाणी उसी इंटरव्यू में आगे कहते हैं, मेरी एक साथ दो फिल्में फ्लॉप हुई थीं, लेकिन उसके बावजूद सलमान खान ने मुझे मौका दिया। उन्होंने मुझ पर भरोसा दिखाया इस बात को मैं कभी नहीं भूल सकता हूं। वे दोस्तों के दोस्त हैं।

गुलाल के दिनों को याद करते दिखे पीयूष, अनुराग को बताया ईमानदार

लेखक-अभिनेता पीयूष मिश्रा आज किसी के पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई हिट फिल्मों में शानदार किरदार निभाए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे पुराने दिनों को याद करते न नजर आए। साथ ही साथ उन्होंने अनुराग कश्यप के संग अपने संबंधों के बारे में भी कई खुलासे किए। पीयूष मिश्रा और अनुराग कश्यप गुलाल के दौरान दोस्त हुआ करते थे। बीते दिनों को याद करते हुए पीयूष कहते हैं, जब मैं गुलाल में काम कर रहा था तब मैंने पैसों के बारे सोचा ही नहीं था। मैं और फिल्म से जुड़े बाकी के लोग भी सिर्फ फिल्म को पूरी करके रिलीज करना चाहते थे। मैंने उस फिल्म के लिए सिर्फ दो लाख रुपए लिए थे। गुलाल के लिए मैंने संगीत, गायन, गीत, अभिनय और अपने संवाद सब कुछ अकेले किया था। पीयूष मिश्रा अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, उस समय अनुराग हम सबका लाडला था। हम बस चाहते थे कि उसकी फिल्म रिलीज हो जाए। वह दौर उसके लिए कठिन दौर था। उनकी फिल्म पांच रुक गई थी और ब्लैक फ्राइडे भी मुश्किल में थी। हम चाहते थे कि उसकी मेहनत दुनिया देखे और उसने कितना शानदार काम किया है यह सबको पता चले।

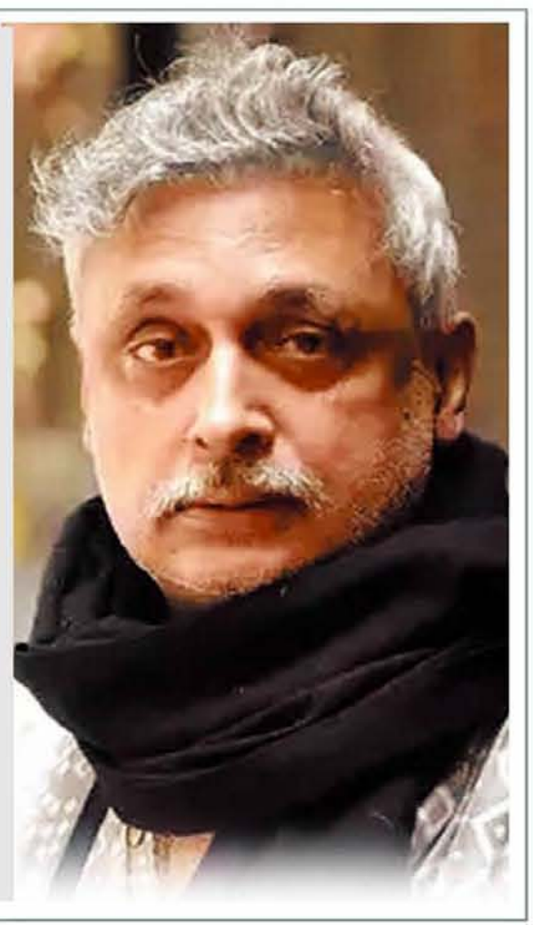

संत निरंकारी मिशन गाजियाबाद में लगायेगा रक्तदान शिविर

गाजियाबाद (**चेतना मंच**)। सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज एवम निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद से सन्त निरंकारी चैरिटेबल फाउण्डेशन (सन्त निरंकारी मिशन का सामाजिक विभाग) द्वारा गाजियाबाद में रविवार 4 अगस्त 2024 को स्थानीय लोहियानगर स्थित अग्रसेन भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निरंकारी मिशन के अनुयायी एवं भक्त मानव कल्याण के लिए रक्तदान करेंगे ताकि मानव का रक्त व्यर्थ न हो और मानव की रगों में ही बहे। बाबा हरदेव सिंह जी के कथनानुसार 'रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए' इससे प्रेरित होकर रक्तदान को अपनी भक्ति का ही अंग बनाते हुए सभी श्रद्धालु भक्त इस महान अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

रक्त का संग्रह करने के लिए जिला अस्पताल (एम एम जी अस्पताल) के ब्लड बैंक की टीम व दिल्ली से गुरूतेग बहादुर अस्पताल ब्लड बैंक के डॉक्टर और उनकी टीम उपस्थित होंगी।

गाजियाबाद के संयोजक सतीश गांधी ने अपील की है कि जो भी स्वेच्छा से इस रक्तदान शिविर में सम्मिलित होकर रक्तदान करना चाहते है उन सभी का स्वागत है।

दिल्ली में जुटे रबर उद्योग के दिग्गज रबर इंडस्ट्रीज के विकास का बनाया प्लान

नई दिल्ली (चेतना मंच)। थाईलैंड, मलेशिया, श्रीलंका और वियतनाम को टक्कर देने तथा भारत में रबर इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने के लिए रबर उद्योग से जुड़े दिग्गज दिल्ली में जुटे और रबर उद्योग को किस प्रकार बढ़ाया जाए तथा इसके आयात पर निर्भरता कम की जाए इस पर रणनीति बनाई गई। आपको बता दें कि भारत में बढ़ती मांग को देखते हुए पिछले वित्तीय वर्ष में इन देशों से करीब 5 लाख टन रबर का आयात किया गया था।

ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नॉर्थर्न रीजन के चेयरमैन व सफल उद्यमी मुकेश कक्कड़ ने अपनी टीम के साथ इस सम्मेलन को सफल बनाया। उद्यमी मुकेश कक्कड़ ने बताया कि दिल्ली स्थित ली-मेरिडियन होटल में ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नॉर्थर्न रीजन द्वारा वार्षिक नेशनल रबर कांफ्रेंस 2024 (एनआरसी'24) के 11वें संस्करण का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था "Resilient Rubber: Navigating Challenges, Embracing Opportunities." इस गतिशील कार्यक्रम में रबर उद्योग के विशेषज्ञों और उद्यमियों ने चर्चा में हिस्सा लिया। रबर उद्योग जगत के जाने-माने और संस्थागत वक्ताओं ने कॉन्फ्रेंस में अपने विचार रखें।

सम्मेलन की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में दर्शक शाह, Managing Director, Madhu Silica Pvt. Ltd. व विशिष्ट अतिथि के तौर पर के मिश्रा (Technical Director, JK Tyre & Industries) और तेजबीर सिंह आनंद (Managing Director, ALP Overseas) उपस्थित रहे। ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की कॉन्फ्रेंस में उन्होंने उद्योग के विकास के लिए रबर सम्मेलनों के महत्व पर जोर दिया। एनआरसी-2024 के मुख्य संयोजक अश्विनी सरीन ने सम्मेलन की थीम पर प्रकाश डाला। ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रेसिडेंट शशि कुमार सिंह ने इस मेगा इवेंट के आयोजन में उत्तरी क्षेत्र के प्रयासों की प्रशंसा की। एनआरसी-2024 के संयोजक सौरभ मल्होत्रा ने उद्घाटन सत्र के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कॉन्फ्रेंस में डॉ. आर. मुखोपाध्याय (Director R & D, JK Tyre and Industries Ltd.), भावेश पांडे (Sector Head, Reliance Industries Ltd.), डॉ. पूजा गोयल (Head, QAMA, Maruti Suzuki India Ltd.), और डॉ. इंद्रजीत घोष (Global Chairman, MSME CCII) ने सतत गतिशीलता पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस सत्र के दौरान, उन्होंने सतत परिवहन के क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने और अवसरों को हासिल करने में ऑटोमोबाइल घटक निर्माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। पहले दिन सुश्री चांदनी सिंह (I.A.S., Additional Commissioner, State Ta& – GST) ने रबर उद्योग की वर्तमान स्थिति और सरकारी

नीतियों पर उधोग से जुड़े प्रतिनिधियों को संबोधित किया। कॉन्फ्रेंस में सुश्री पिंकी गुप्ता (Member Judicial, Delhi State Consumer Disputes Redressal Commission), के जयपाल (Managing Director, ISRPL), विपिन कुमार मल्हान (President, Noida Entrepreneurs Association), और जगजीत सिंह भी शामिल हुए।

इस अवसर पर, ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नॉर्थर्न रीजनके सभी पूर्व चेयरमैन को भी सम्मानित किया गया। अंशुल सरीन ने प्रभावी ढंग से कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर अश्विनी सरीन को रबर उद्योग में उनके उल्लेखनीय 50 साल के योगदान के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मनित किया गया। डॉ. समर बंद्योपाध्याय को एनआरसी 24 के लिए तकनीकी पत्रों के आयोजन और डिजाइन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। सम्मेलन का समापन वरुण अग्रवाल, आयोजन समिति के सदस्य, एनआरसी'24 के समापन भाषण के साथ हुआ। सम्मेलन में उपस्थित उधमियों ने एनआरसी' 24 दिल्ली आयोजन समिति के प्रयासों और टीम वर्क की भी सराहना की। शानदार आयोजन के लिए मुकेश कक्कड़, चेयरमैन -एनआर और अश्विनी सरीन, मुख्य संयोजक, एनआरसी'24 द्वारा किए गए प्रयासों और टीम वर्क के लिए सम्मानित किया गया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में सभी एसीईओ को मिली नई जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार ने अधिकारियों के बीच नई जिम्मेदारियों का आवंटन किया है। नई एसीईओ प्रेरणा सिंह को अहम जिम्मेदारी दे दी गई है। वहीं सौम्या श्रीवास्तव के विभाग में कोई बदलाव नही है।

एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग को सिस्टम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वाणिज्य सूचना, प्रौद्योगिकी, विद्युत यांत्रिकी, रोड परिवहन व्यवस्था, आईआईटीजीएनएल, डीएमआईसी, वित्त, मार्केटिंग, वाणिज्य, उद्योग, संपत्ति, बिल्डर, विधि, आईजीआरएस और अतिक्रमण।

एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस को उद्यान विभाग, शहरी सेवाएं, कार्मिक विभाग, मानव संपदा पोर्टल, स्वास्थ्य विभाग में गौशाला और डॉग आदि।

एसीईओ प्रेरणा सिंह को आईजीआरएस, जनसुनवाई, कौशल विकास, संस्कृति, ग्रेटर नोएडा मेट्रो, जल विभाग, सीवर विभाग, सिस्टम विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और वाणिज्यक विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी को आवासीय संपत्ति, प्राधिकरण की महत्वपूर्ण योजनाओं की क्रियान्वयन, स्पॉट प्रबंधन समिति, स्पोर्ट्स सेल, सीएसआर संबंधी कार्य, ग्रुप हाउसिंग, कोऑपरेटिव सोसाइटी, केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति, नोएडा और ग्रेटर नोएडा शिक्षा समिति, नाइट सफारी, हेलीपोर्ट और जेवर एयरपोर्ट की जिम्मेदारी मिली है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में नए बदलावों से शहर के विकास और प्रशासनिक कार्यों में तेजी की उम्मीद है। निवासियों और व्यापारियों को इससे कई लाभ होने की संभावना है।

अब देखना होगा कि प्रशासनिक बदलाव शहर के विकास और सेवाओं में कितना सुधार लाता है।

योगी राज में पलायन को मजबूर स्टार्टअप उद्यमी, दबंगों के उत्पीड़न से परेशान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में महिला उद्यमी मुनमुन सिंह ने प्रेसवार्ता कर नोएडा पुलिस कमिश्नर की कार्यशाली पर गंभीर सवाल उठाया

है। दरअसल ग्रेटर नोएडा में स्टार्टअप कंपनी लगाने वाली महिला उद्यमी ने बताया कि लगातार पुलिस में शिकायत करने के बाद भी अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई और वह लगातार पिछले चार महीना से प्रताड़ना झेल रही है। उन्होंने बताया कि एसीपी डीसीपी व नोएडा कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से भी इस पूरे मामले को लेकर मिल चुकी है। मगर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुनमुन सिंह ने बताया कि उन्होंने 2 साल की रिसर्च के बाद मल्टीलेबल कार पॉर्किंग सिस्टम बनाने के लिए कंपनी शुरू की। उन्होंने कहा कि बलविंदर सिंह और मैंने साथ मिलकर डी-5 साइड बी सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में दीपक कुमार गौड और राहुल शर्मा से कंपनी 4 लाख 18 हजार महीना किराये पर ली और इसके लिए 10 नवंबर को 14 लाख एडवांस उन्हें ट्रांसफर कर दिए। 20 नवंबर को फैक्ट्री हमें हैंडोवर करने को कहा मगर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद बचा हुआ फैक्ट्री की मरम्मत का काम मैंने अपने पैसे से कराया। उन्होंने कहा कि अब जबरन हमसे फैक्ट्री खाली करने और हमारी मशीन हड़पने की कोशिश की जा रही है। हमारे पास कोर्ट का स्टे आर्डर है। मुनमुन ने कहा कि जब मैं अपनी मशीन देखने फैक्ट्री गई तो दूसरे लोग भी वहां पहुंच गए और हमारे साथ हाथापाई की। पुलिस को मौके पर पहुंची तो एक तरफा कार्यवाही करते हुए मेरे बिजनेस पार्टनर बलविंदर सिंह पर 151 की कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया। जबकि इसमें दूसरे पक्ष पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मेरा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और नोएडा कमिश्नर से अनुरोध है कि इस विषय में मेरी मदद की जाए।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™

ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077

Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

गोल्डन ऑवर में ब्रेस्ट फीडिंग नवजात शिशु के लिए अमृत

नोएडा (चेतना मंच)। बच्चे का जन्म होने के बाद एक घंटे के अंदर उसे स्तनपान कराना जरूरी होता है। गोल्डन ऑवर ब्रेस्ट फीडिंग

डॉ. श्वेता उपाध्याय

बच्चे को वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की शक्ति देता है। इसलिए ये जरूरी है कि बच्चे को गोल्डन आवर में माँ का दूध पिलाया जाए।

यह बातें फेलिक्स अस्पताल की लेक्टेशन कंसलटेंट डॉ. श्वेता उपाध्याय ने विश्व ब्रेस्ट फीडिंग सप्ताह पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि बच्चे के जन्म के एक घंटे के भीतर माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध पिलाना बेहद जरूरी होता है। यह बच्चे को बाहर की दुनिया में घूम रहे वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की शक्ति देता है। यहां तक की कई मामलों में जन्म के तुरंत बाद बच्चे की जान बचाने के लिए यह रक्षा कवच की तरह काम करता है। देश के ज्यादातर मेडिकल स्टाफ जानकारी के अभाव में इस गोल्डन आवर की अहमियत को नहीं समझते। माँ और बच्चे के बीच पहले 60 मिनट का संपर्क बच्चे के शरीर के टेंमप्रेचर को नियंत्रित करने, सांस लेने की प्रक्रिया को आसान करने के साथ लो ब्लड शुगर की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह न सिर्फ नवजात के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है बल्कि बच्चे को गोद में रखने से माँ के शरीर में ऑक्सीटोसिन का उत्पादन भी बढ़ता है। जिससे दोनों के बीच जुड़ाव बढ़ता है और बच्चे को फीडिंग कराने में भी आसानी होती है।

डा. श्वेता ने बताया कि जन्म के बाद नवजात को तुरंत उसकी माँ की छाती पर पेट के बल लिटा देना चाहिए और दोनों को चादर, कंबल से ढंक देना चाहिए। जब माँ बच्चे को पहली बार अपनी गोद में लेती है तो तुरंत उसके शरीर से ऑक्सीटोसिन रिलीज होते हैं। इससे डिलीवरी के बाद हो रही ब्लीडिंग कम हो जाती है। माँ के शरीर में हार्मोन उत्पन्न होने के कारण बच्चे को स्तनपान कराने में मदद मिलती है जिससे माँ का तनाव, चिंता और अवसाद भी कम होने के साथ बच्चे और मां का रिश्ता मजबूत होने के संकेत मिलते हैं। बच्चे को पास रखने से उसे गर्माहट मिलती है और बच्चा रोना बंद करता है। बच्चे की हार्ट रेट और सांस लेने की क्षमता बढ़ जाती है। बच्चे के जन्म के एक घंटे के अंदर माँ का पहला दूध गोल्डन आवर कहा जाता है। इसके बाद अगर बच्चे को दूध पिलाया जाता है तब भी वह फायदेमंद होता है। गोल्डन आवर में ब्रेस्टफीडिंग से बच्चे को कोलोस्ट्रम मिलता है जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और एंटीबॉडी की मात्रा होती है। ये बच्चे को नए-नए वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की शक्ति देता है। गोल्डन आवर की ब्रेस्टफीडिंग लाइफ लाइन का काम करती है।

वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक

स्तनपान से शिशु को होने वाले फायदे

- शिशुओं की इम्युनिटी को मजबूत बनाता है।
- शिशुओं को एंटीबॉडी प्रदान करता है, जिससे संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में सक्षम हो पाएं।
- बच्चों में एलर्जी, अस्थमा व विभिन्न इंफेक्शन का जोखिम कम हो जाता है।
- स्तनपान से बच्चों की श्वसन तंत्र भी मजबूत बनती है।
- माँ का दूध शिशु के लिए एक सुपाच्य आहार होता है।
- स्तनपान से शिशु को कब्ज व डायरिया जैसी पाचन संबंधी समस्याएं नहीं होती हैं।
- स्तनपान का लाभ शिशु को तात्कालिक ही नहीं होता, बल्कि बड़े होने पर मोटापा, हृदय संबंधी रोगों तथा डायबिटीज से भी उनका बचाव होता है।
- स्तनपान करवाने से माँ और बच्चे के बीच भावनात्मक लगाव मजबूत होता है।
- गर्भावस्था के दौरान बढ़े वजन को कम व उसे नियंत्रित बनाये रखने में स्तनपान मददगार साबित होता है।
- स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन कैंसर व ओवरी का कैंसर होने की आशंका कम हो जाती है।

अब ज्यादातर सरकारी और प्राइवेट अस्पताल में सी-सेक्शन डिलीवरी होने लगी है। डिलीवरी के समय ज्यादातर डॉक्टर और नर्स माँ और बच्चे को मेडिकली स्टेबल करने में लग जाते हैं। इस बीच वे गोल्डन आवर के बारे में भूल जाते हैं। गोल्डन ऑवर में ब्रेस्ट फ्रीडिंग से मिले हाइपोथर्मिया से नवजात को सुरक्षा मिलती है। निमोनिया व डायरिया जैसे रोगों से भी बचाव होता है। शिशु भी जन्म के पहले घंटे में बहुत सक्रिय होता है इसलिए जब बच्चे को भूख लगे तो स्तनपान कराना जरूरी होता है।

माँ के दूध में जो विटामिन होते हैं वे प्राकृतिक होते हैं जबकि फॉर्मूला मिल्क में सिंथेटिक, ऐसे में पहले छह महीने तक माँ का दूध बच्चे के लिए एक अनिवार्य आहार होता है। इसके बाद से डेढ़ से दो वर्ष तक ठोस आहार के साथ माँ का दूध दिया जा सकता है।

GRV BUILDCON

Concept to reality

ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS

WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE

WE DESIGN DREAMS!

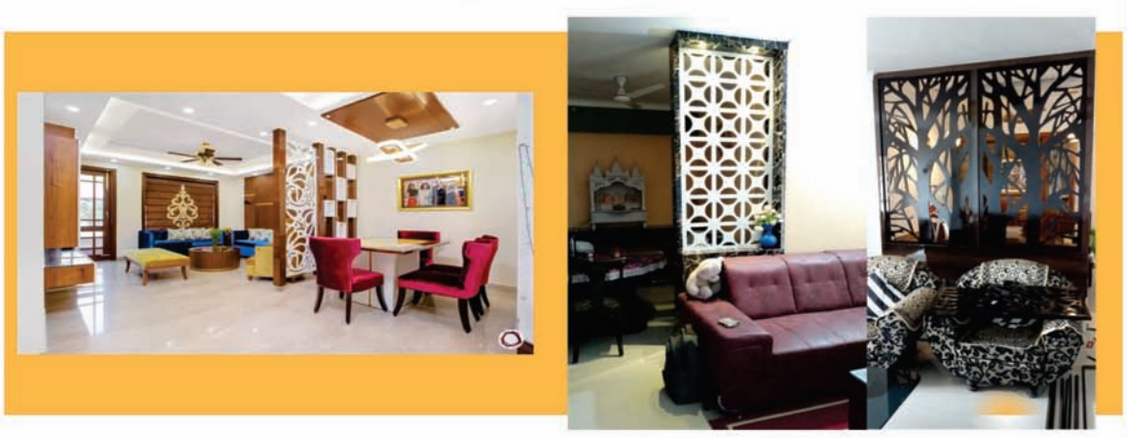

Certified by :

ISO 9001 CERTIFIED

startupindia

MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

Contact Us : 9999472324, 9999082512

www.grvbuildcon.com